CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

नेपाल

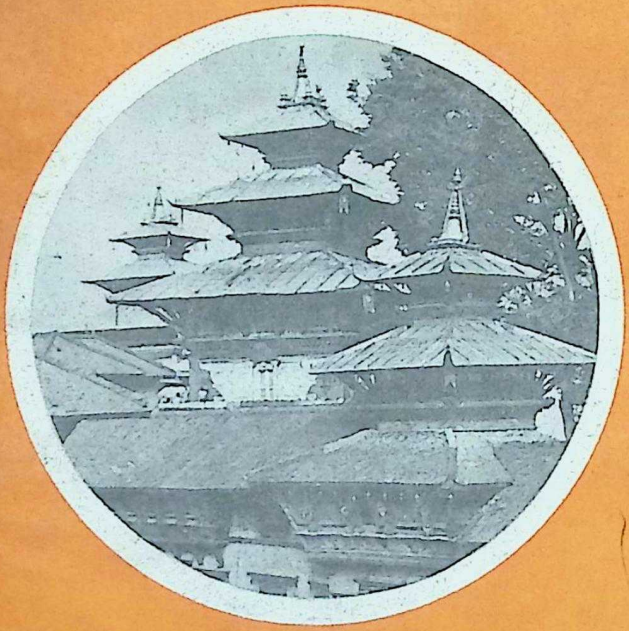

Nepal Sanskrit University Pokhara Campus Kaski

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

AND IF PEACE IS AN OVERRIDING CONCERN WITH US, IT IS ONLY BECAUSE OUR PEOPLE GENUINELY DESIRE PEACE IN OUR COUNTRY IN OUR REGION AND EVERYWHERE IN THE WORLD. IT IS WITH THIS EARNEST DESIRE TO INSTITUTIONALISE PEACE THAT I STAND TO MAKE PROPOSITION-A PROPOSITION THAT MY COUNTRY, NEPAL, BE DECLARED A ZONE OF PEACE.

H.M. KING BIRENDRA

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मध्यकालीन कलाकी एक अनुपम नमूना, पाटन

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

विषय सूची

१. परिचय ४

२. भौगोलिक अवस्थिति ५

३. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ५

४. जलवायु ८

५. मौसम ९

६. निवासी १०

७. धर्म और संस्कृति ११

८. भाषा १२

९. प्रवेश मार्ग १२

१०. विदेशी कूटनीतिक नियोग २१

११. आवास (होटल) २४

१२. नेपाल के दर्शनीय स्थल

(क) काठमाडौं ३०

(ख) ललितपुर ४०

(ग) भक्तपुर ४३

१३. अन्य दर्शनीय स्थल ४९

१४. यात्रा, पर्व ५६

१५. ट्रेकिङ्ग ६३

१६. अन्य आवश्यक सूचनाएँ ६४

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

नेपाल

परिचय

विश्व का एक मात्र हिन्दू राष्ट्र नेपाल कला और संस्कृति के क्षेत्र में अत्यन्त समृद्ध राष्ट्र है। यहां की गलियों से गुजरते हुए ऐसा महसूस होता है कि शताब्दियों पूर्व की स्मृति हमारे सामने साकार हो गई है। शिखर तथा पैगोडा शैली में निर्मित वास्तुकला के नमूने सम्पूर्ण देश में बिखरे पड़े हैं। मनमोहक मूर्तियां और स्मारक हर जगह विद्यमान हैं। नेपाल का भ्रमण अपने आप में रोमांच और आनन्द का अनुपम सम्मिश्रण है।

प्रकृति ने नेपाल को सम्पन्नता और समृद्धि का वरदान प्रदान किया है। यह सगरमाथा (माउन्ट एभरेस्ट), ल्होत्से, नुप्त्से, चो ओयु, मकालु, धौलागिरी और अन्नपूर्ण पर्वत श्रृखलाओं की भूमि है। राष्ट्र के उत्तरी क्षेत्रों में विद्यमान ये पहाड, जीवनरूपी नाटक को एक भव्य दृश्य और नयनाभिराम पृष्ठभूमि प्रदान करने के अतिरिक्त कवियों और कलाकारों की प्रेरणा के चिरंतन स्रोत रहे हैं। उत्तुंग और चिरशाश्वत हिमाच्छादित हिमालय की चोटियां प्रत्येक व्यक्ति को आमन्त्रण और अपूर्व अनुभव के लिए संदेश देती हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

भौगोलिक अवस्थिति

नेपाल अधिराज्य ८०° १५"–८८ पूर्व देशान्तर और २६°–२०"–३०°–१० उत्तर अक्षांश के बीच स्थित है । इस के उत्तर में चीन का स्वशासित प्रदेश तिब्बत है, पूर्व में सिक्किम और पश्चिम बंगाल (भारत) तथा दक्षिण और पश्चिम में भारत गणराज्य के बिहार और उत्तर प्रदेश हैं । नेपाल अधिराज्य की लम्बाई पूर्व से पश्चिम ८८० कि. मी. है और चौडाई उत्तर से दक्षिण कहीं १४४ कि. मी. है तो कहीं २४० कि. मी. । नेपाल समशीतोष्ण कटिबंध में पडता है । काठमाण्डू घाटी समुद्र की सतह से ४५,०० फीट की ऊँचाई पर स्थित है ।

इन सभी चीजों का महत्त्वपूर्ण निष्कर्ष यह निकाला जा सकता है कि नेपाल में भ्रमण करने लिए मौसम की कोई बाधा नहीं है । दिसम्बर, जनवरी और फरवरी सर्दी के महीने हैं । इन महीनों में सवेरे से दो पहर तक कोहरा छाया रहता है । उस के बाद अचानक जादू की तरह कोहरा छंटने लगता है और गणेश हिमाल श्रृंखला धूप में चमकने लगती है । सभी ऋतुएं भ्रमण के लिए यहां उपयुक्त हैं । प्रत्येक का अपना ही आनन्द है ।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

नेपाल का प्राप्त इतिहास आज से लगभग तीन हजार वर्ष के समय से शुरू होता है । किरातों के एक हजार वर्षों के शासन पहले किरातों के बाद लिच्छवियों ने आठ सौ वर्षों तक शासन किया और तदुपरान्त ठकुरी और मल्ल वंश के राजाओं का शासन रहा । खास कर लिच्छवि, ठकुरी और मल्लों के शासन काल में इस देश में हिन्दू

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

विश्व की सर्वोच्च चोटी सगरमाथा (एभरेष्ट)

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

और बौद्ध दोनों धर्म फलेफूले और मन्दिरों, स्तूपों एवं मूर्तियों के निर्माण में बहुत प्रगति हुई । संस्कृति के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के बावजूद राजनीतिक दृष्टिकोण से नेपाल छोटे छोटे अनेक राज्यों में विभक्त था और सभी में आपसी कलह और युद्ध का वातावरण व्याप्त था । अतएव हिमालय की गोद में बृहत्तर हिन्दू राज्य की स्थापना के पवित्र एवं महान उद्देश्य से प्रेरित होकर बडा महाराजाधिराज श्री ५ पृथ्वीनारायण शाह ने राष्ट्रिय एकीकरण का अभियान प्रारंभ किया । उन के तथा उन के वंशजों के सत्प्रयासों के कारण ही नेपाल ने आज का भौतिक स्वरूप प्राप्त किया परन्तु श्री ५ गीर्वाण युद्ध विक्रम शाह के देहावसान के उपरान्त पुनः आपसी कलह की स्थिति में राणा जंग बहादुर और उन के भाई-भतीजों का पारिवारिक शासन विक्रम संवत् १९०३ से प्रारंभ हुआ और १०४ वर्षों तक कायम रहा ।

इस बीच में देशकी की राजनीतिक एवं आर्थिक स्थिति डांवाडोल और राष्ट्र के विकास की गति अवरुद्ध रही । राष्ट्र-पिता श्री ५ त्रिभुवन ने इसे अनुभव किया और देश की जनता और नेताओं के सहयोग से विक्रम सम्वत् २००७ में प्रजातन्त्र की स्थापना की । राष्ट्र-पिता श्री ५ त्रिभुवन के योग्य सुपुत्र श्री ५ महेन्द्र ने वि. सं. २०१७ में पञ्चायती प्रजातन्त्र का शुभारम्भ किया। विक्रम सम्वत् २०२८ में उन के स्वर्गारोहण के बाद उनके ज्येष्ठ सुपुत्र श्री ५ वीरेन्द्र सिंहासनारूढ हुए । श्री ५ वीरेन्द्र के सुयोग्य शासन में नेपाल चतुर्दिक् प्रगति कर रहा है ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

जलवायु

नेपाल की जलवायु में ऊँचाई के अनुसार भिन्नता पाई जाती है । विश्व के सर्वोच्च शिखर सगरमाथा (एभरेष्ट) ८८४८ मीटर से लेकर समुद्र तल से केवल १०० फीट की ऊँचाई वाले प्रदेश नेपाल में हैं । अतएव जलवायु एवं तापमान में भी उसी प्रकार का अन्तर रहता है । तराई प्रदेश की जलवायु गर्म रहती है ।

एक सुन्दर झरना

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पहाडी प्रदेश का तापमान वर्षभर लगभग समशीतोष्ण रहता है यद्यपि जाडे की रातें काफी ठंडी होती हैं। उच्च पर्वतीय प्रदेश का मौसम सालभर ठंडा रहता है। हिमालय क्षेत्र की जलवायु हमेशा ध्रुवीय रहती है।

मौसम

नेपाल में चार ऋतुएं हैं– (१) फाल्गुण–चैत्र–वैशाख = वसन्त (२) ज्येष्ठ–आषाढ–श्रावण (गर्मी) (३) भाद्र–आश्विन–कार्तिक (शरद) (४) मार्ग–पौष– माघ– (सर्दी)

पोशाक :– प्रमुखतः स्थान और समय पर निर्भर करती है। हल्की और गर्म दोनो तरह की पोशाकें रखना उपयुक्त है। तराई और काठमाण्डू के लिए गर्मी में सूती पोशाक आवश्यक है।

काठमाण्डू का तापक्रम और वर्षा

महीना	अधिकतम औसत (फाहरेनहाइट)	निम्नतम	औसत मासिक वर्षा (मिलिमीटर में)
जनवरी	७२°	२३°	१६.८
फरवरी	७५°	३०°	२६.६
मार्च	७८°	३६°	३१.४
अप्रैल	८४°	४२°	६२.८
मई	९०°	५१°	६९.२
जून	९५°	६१°	२८५.६
जुलाई	८८°	६५°	३१८.५

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अगष्ट	८६°	६६°	३६.१
सितम्वर	८८°	५८°	३६.५
अक्टोवर	८३°	४८°	६२.१
नवम्वर	७८°	३६°	१३.१
दिसम्वर	७३°	२६°	३.८

निवासी

नेपाल की जनसंख्या लगभग १ करोड ६२ लाख है । यहाँ विभिन्न जातियाँ–उपजातियाँ हैं जो विभिन्न क्षेत्रों में रहती हैं ।

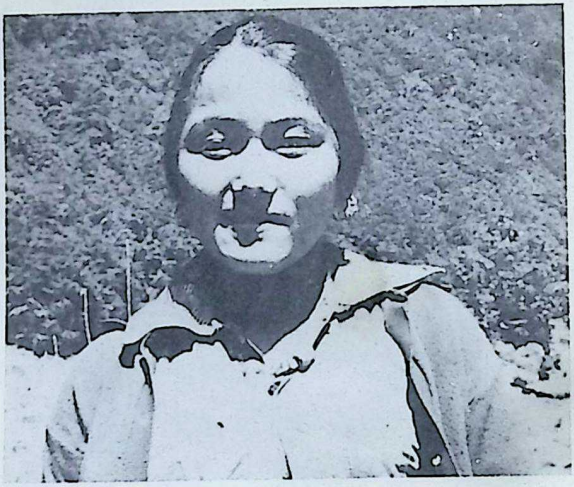

एक सुन्दर शेर्पा महिला

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

ये जातियाँ विभिन्न किस्म की भेषभूषा पहनती हैं तथा विभिन्न भाषाएं और भाषिकाएं बोलती हैं । गुरुंग और मगर मुख्यतः पश्चिम नेपाल के पहाडी क्षेत्र में रहते हैं । राई, लिम्बु और सुनुवार पूर्वी पहाडी क्षेत्र में निवास करते हैं । विश्व प्रसिद्ध शेर्पा जाति जिसे हिमालयका बाघ कहा जाता है, हिमालय क्षेत्र में रहती है । नेवार जाति के लोग काठमाण्डू उपत्यका में बहुसंख्या में हैं । तराई क्षेत्र में थारू, धिमाल, राजवंशी आदि जातियाँ बसती हैं । ब्राह्मण क्षेत्रिय और ठकुरी जाति के लोग सम्पूर्ण देश में फैले हुए हैं । नेपाल चार जाति और छत्तीस वर्णों की फुलवाड़ी है ।

धर्म और संस्कृति

नेपाल के दो प्रमुख धर्म हैं; हिन्दू और बौद्ध । इन दोनों का यहाँ सुन्दर सम्मिश्रण है । हिन्दू और बौद्ध समान रूप से सभी देवी देवताओं को पूजते हैं और समूह–भोजन तथा पर्व उत्सवों में भाग लेते हैं । नेपाल की एक उल्लेखनीय विशेषता धार्मिक सहजीविता है जो हिन्दू और बौद्ध धर्म में विशेष रूप से देखी जाती है । शताब्दियों से दोनो धर्मो के अनुयायियों ने परस्पर में समान श्रद्धा और आदर दिखलाया है । यहाँ के लोग धार्मिक प्रवृत्ति के हैं और पारंपरिक आचार–विचार तथा रीति रिवाज तथा संस्कारों का पालन श्रद्धापूर्वक करते हैं । नेपाल की गौरवशाली सांस्कृतिक, परंपरा का प्रदर्शन, प्रत्येक दिन यहाँ मनाये जाने वाले विभिन्न सामाजिक समारोह और सैंकडों पर्व–त्यौहारों में होता है । नेपाल की गौरवशाली संस्कृति का साक्षात्कार उत्सवों और त्योहारों में किया जा सकता है । नेपाली पगोडा शैली

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

की अपूर्व वास्तुकला की रूपरेखा नेपाल की निजी विशेषता है। मंदिरों और स्तूपों में विद्यमान शानदार काष्ठ, कांस्य और प्रस्तर–प्रतिमाएं और कांस्य– मूर्तियाँ अधिराज्य के कला वैभव का गौरव बढ़ाती हैं।

भाषा

नेपाली इस देश की राष्ट्र भाषा है। नेपाल के बहुसंख्यक निवासी नेपाली भाषा समझते और बोलते हैं। नेपाली भाषा देवनागरी लिपि में लिखी जाती है। नेपाली के अलावा तामाङ्ग, हिन्दी, मैथिली, भोजपुरी, अवधी, मगर, शेर्पा, थारू, नेवारी आदि भाषाएं भी बोली जाती हैं।

प्रवेश मार्ग

हवाई मार्ग:– नेपाल में संसार के किसी भी भाग से हवाई मार्ग के द्वारा आया जा सकता है। भारत के प्रमुख नगरों, थाइलैण्ड, बांगला देश, श्रीलंका, और हाङ्काङ से काठमाण्डू आने–जाने की नियमित उडानें हैं। नेपाल का ध्वज–वाहक शाही नेपाल वायु सेवा निगम, वोईंग ७२७ विमान के द्वारा काठमाण्डू से कलकत्ता, दिल्ली, रंगून, कोलम्बो, बैंकक और हाङ्काङ तक अपनी सेवा पहुँचाता है। इन्डियन एअरलाइन्स कलकत्ता, पटना, वाराणसी से उडानें संचालित करती है। बर्मा विमान सेवा (यू.बी. ए.) रंगून से काठमाण्डू और काठमाण्डू से रंगून तक उड़ानें संचालित करती है। थाई इन्टरनेशनल की भी, सप्ताह में चार बार डी. सी. १०

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

और एयर बस द्वारा बैंकक से कलकत्ता, ढाका होते हुए काठमाण्डू तक उडानें नियमित होती हैं । बांगला देश विमान ढाका से काठमाण्डू तक अपनी उडानें भरता है ।

शाही नेपाल वायु सेवा निगम ने नेपाल में आन्तरिक उडानों का जाल फैला रखा है। यह निगम ट्विन अटर ओर और एच. एस. ७४८ विमानों के द्वारा काठमाण्डू से गोरखा, पोखरा, भैरहवा, नेपालगंज, दांग, भरतपुर, सिमरा, विराटनगर, राजविराज, धनगढी भद्रपुर, जनकपुर, सुर्खेत, जुम्ला, बागलुङ्ग सिलगढी, रूकूम कोट, रूम्जाटार, लुक्ला, तुमलिङ्टार, लामीडाँडा, मेघौली तथा जोमसोम तक उडानें संचालित करता है । अक्टूबर से मई तक हिमालय दृश्यावलोकन उडानें भी यह निगम संचालित करता है । इस उडान में गए हुए पर्यटक सगरमाथा (माउण्ट एभरेष्ट) और हिमालय की अन्य मनोरम चोटियों का दृश्य–आवलोकन अच्छो तरह करते हैं । इस उडान की अवधि एक घंटे की है ।

निजी वाहनः– अपने निजी वाहन से नेपालका भ्रमण करना चाहने वाले पर्यटकों के पास अन्तर्राष्ट्रिय वाहन अनुमति–पत्र (Carnet) होना चाहिए । जिन पर्यटकों के पास उक्त अनुमति पत्र होता है सीमा शुल्क दिए बिना तीन महीने तक अपना वाहन नेपाल में रख सकते हैं ।

हवाई कम्पनियाँः–	**टेलिफोन नं.**
१. शाही नेपाल वायु सेवा निगम कांतिपथ, काठमाण्डू	२१४५११
२. इण्डियन एयर लाइन्स दरवार मार्ग, काठमाण्डू	२१११९८

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

३. थाई एअरवेज इन्टनेशनल, दरवार मार्ग, काठमाण्डू	२१३५६५
४. यूनियन आफ वर्मा एअरवेज दरवारमार्ग, काठमाण्डु	२१४८३६
५. बांगलादेश विमान दरवार मार्ग, काठमाण्डू	२१२५४४
६. एअर इन्डिया इन्टरनेशनल, कान्तिपथ, काठमाण्डू	२१२३३५
७. लुफ्थान्सा, दरवार मार्ग, काठमाण्डू	२१३०५२
८. ब्रिटिश एअरवेज, दरवार मार्ग, काठमाण्डू	२१२२६६
९. एअर फ्रान्स, दरवार मार्ग, काठमाण्डू	२१३३३९
१०. पान अमेरिकन वर्ल्ड एअरवेज, दरवार मार्ग, काठमाण्डू	२१५८२४
११. पाकिस्तान इन्टरनेशनल एअरलाइन्स, दरवार मार्ग, काठमाण्डू	२१२१०२
१२. जापान एअरलाइन्स दरवार मार्ग काठमाण्डू	२१३८५४
१३. के. एल. एम. दरवार मार्ग, काठमाण्डू	२१४८९६
१४. स्विस एअर, दरवार मार्ग, काठमाण्डू	
१५. एरोफ्लोट सोभियत एअरलाइन्स, कान्तिपथ, काठमाण्डू	२१२३९७
१६. टी डब्लू ए कान्तिपथ, काठमाण्डू	२१४७०४

स्थल मार्ग:– रमणीय राजमार्गो के द्वारा काठमाण्डू भारत से जुड़ा हुआ है । रास्ते भरका प्राकृतिक दृश्य बड़ा मनोरम है ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

भारतीय बन्धुओं के लिए पासपोर्ट की आवश्यकता नही है। हाँ, अपना परिचय पत्र अवश्य साथ रहना चाहिए । प्रवेश मार्ग पर विदेशी मुद्राओं के लिए सुविधा प्राप्त है । काठमाण्डू से पोखरा, सुनौली, बीरगञ्ज, जनकपुर और काकरभित्ता के लिए नियमित वस सेवा उपलब्ध है ।

आन्तरिक यातायात त्रिभुवन राजपथ, सिद्धार्थ राजमार्ग, और महेन्द्र राजमार्ग के अलावा अन्य पहाडी राजमार्ग भी हैं जो दर्शनीय स्थलों से भरे हैं और जहाँ से हिमालय की हिमाच्छादित चोटियां कोई भी आसानी से देख सकता है । अर्निको राजमार्ग (काठमाण्डू–कोदारी राजमार्ग) काठमाण्डू को चीन के स्वशासित प्रदेश तिब्वत से उत्तर में जोड़ता है । नेपाल अधिराज्य में सडक यातायात व्यापक जल निर्माणाधीन है। पोखरा घाटी मनोहर राजमार्ग के द्वारा काठमाण्डूसे जुडी हुई है जो २०० किलो मीटर लम्वा है। अव काठमाण्डू से सीधे नेपाल की सुदूर पूर्व सीमा तक पूर्व–पश्चिम महेन्द्र राजमार्ग से पहुँचा जा मकता है । पोखरा भी भारत के सीमावर्ती शहर सुनौली से सडक के द्वारा जुडा हुआ है। देश के आन्तरिक मार्गो मे भी मोटर चलने लायक अनेक सडकें बनकर तैयार हो गई हैं । किन्तु अधिकांश सड़कें मौसमी हैं और वर्षा ऋतु में इन पर निर्भर नहीं रहा जा सकता है । वर्षाऋतु के पहले और बाद के कुछ महीनों में ये सड़के पैदल–यात्रियों के लिए बहुत सहायक हैं । जनकपुर में नेरो गेजकी जनकपुर–जयनगर रेल भी है । काठमाण्डू में किराये पर कार, जीप, वस और अन्य वाहन मिलते हैं । यहाँ मीटर टेक्सी, रिक्सा और साइकलें उपलब्ध हैं, किन्तु आगन्तुकों को किराये का निर्धारण पहले कर लेना उनक हक में अच्छा और सुविधाजनक होगा ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

प्रवेश द्वार विदेशी पर्यटकों के लिए १२ प्रवेश मार्ग हैं– १. काकरभित्ता २. रानी सिकियाही (जोगबनी) ३. जलेश्वर ४. वीरगंज ५. कोदारी ६. सुनौली ७. ककरहवा ८. नेपालगञ्ज ९. कोयलावास १०. धनगढी ११. महेन्द्र नगर और १२. त्रिभुवन अन्तरराष्ट्रिय विमान स्थल, काठमाण्डू ।

पूर्वी तराई में एक छोटी–सी रेल सेवा नेपाल जनकपुर जयनगर रेलवे नाम की है जो यात्री और मालसामान ढोने का काम करती है । काठमान्डू में सरकार द्वारा अनुमति प्राप्त अनेक भ्रमण प्रतिनिधि (ट्राभल एजेन्सी) हैं जो पर्यटकों को अनेक स्थलों का दृश्यावलोकन कराती हैं । विमान स्थल पर टेक्सीयां उपलब्ध रहती हैं जो यात्रियों को अपने मन्तव्य स्थानों पर पहुँचाने का काम करती हैं । वाहन बायीं और से चलाये जाते हैं।

पासपोर्ट और भीसा:– नेपाल आनेवाले विदेशी पर्यटकों के पास वैध पासपोर्ट और भीसा होना चाहिए । भारत के अलावा अन्य देशों से आनेवाले भारतीय बन्धुओं के पास पासपोर्ट होना चाहिए । भारत से आनेवाले भारतीयों के पास अपने परिचय के लिए, परिचयपत्र होना चाहिए । भारतीय नागरिकों को नेपाल में प्रवेश के लिए "भीसा" लेने की जरूरत नहीं होती । भारतीयों के अलावा जो आगन्तुक विना भीसा के पहुँचते हैं वे काठमाण्डू विमान स्थल, वीरगंज, भैरहवा और उपर्युक्त प्रवेश–द्वारों पर ७ दिनों के लिए "भीसा" ले सकते हैं । विदेशों में स्थित शाही नेपाली नियोग ३० दिन की भीसा देते हैं ।

पर्यटक "भीसा" की अवधि को अधिकतम तीन महीनों के लिए बढ़ाया जा सकता है । तीस दिन वा उस से कम अवधि–की भीसा का शुल्क १३३ नेपाली रूपया, करीब ९२ भारतीय रूपया

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मणि हिन्दू पर्वका एक दृश्य

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

हैं । जो पर्यटक तीसदिन से अधिक ठहरना चाहते हैं उन्हें इच्छित अवधि–भर के प्रत्यक दिन के लिए प्रति दिन पाँच अमेरिकन डालर अथवा उस बराबर की विदेशी मुद्रा नेपाली रुपयों में बदलनी चाहिए और उस का प्रमाण सम्बन्धित अधिकारी को दिखाना चाहिए ।

पैदल भ्रमण की अनुमति:– कोई भी विदेशी पर्यटक जो देश के विभिन्न भागों में पैदल भ्रमण करना चाहता है उसे केन्द्रीय अध्यागमन कार्यालय, मैतीदेवी (टेलिफोन नं.२१२३३६ से पैदल भ्रमण की अनुमति लेनी पड़ती है ।

विदेशों में निम्नलिखित नेपाली राजदूतावासों और वाणिज्य दूतावासों से नेपाल में प्रवेश करने का "भीसा" लिया जा सकता हैं ।

१. शाही नेपाली राजदूतावास, १६, नटमौक सेक्या, (पार्क एभेन्यू), डाकघर, टाम्वे रंगून, वर्मा ।

२. शाही नेपाली राजदूतावास, १५ सान सी टून पेकिंग, चीन गणतन्त्र अधिराज्य ।

३. शाही नेपाली राजदूतावास– ७ वाशिंगटन, पेरिस ७५००८, फ्रान्स ।

४. शाही नेपाली राजदूतावास गमगंग १५,५३००, बूनवाद गौंडवसवर्ग, बोन, पश्चिम जर्मनी ।

५. शाही नेपाली राजदूतावास, वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली ११०००, भारत ।

६. शाही नेपाली राजदूतावास, मकान नं. २२, गली. नं. ४, पाकिस्तान एभेन्यू, अव्वासावाद, तेहरान, ईरान ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

७. शाही नेपाली राजदूतावास, १६–२३, हिगासी, गोटंडा ३ शीनागाका, कू, टोकियो (१४१), जापान।

८. शाही नेपाली राजदूतावास, नं. ५०६८४ वी गली रेमनाग ६।४ इस्लामावाद, पाकिस्तान।

९. शाही नेपाली राजदूतावास, १८९, सोल प्यूमरगसक, सुखुमविट, ७१, वैङ्कक, थाइलैण्ड।

१०. शाही नेपाली राजदूतावास, ९ टीवा स्ट्रीट, डीकी, काहिरा, मिश्र गणतन्त्र।

११. शाही नेपाली राजदूतावास, १२ ए, कैनसिंगटन पैलेस गार्डेन, लंडन, डब्लू ८,४ क्यू यू, संयुक्त अधिराज्य।

१२. शाही नेपाली राजदूतावास २१३१, लेरोय प्लेस, एन, डब्लू वाशिंगटन डी. सी. २०००८ संयुक्त राज्य अमेरिका।

१३. शाही नेपाली राजदूतावास, सेकेन्ड न्योपीलीमोवस्की पैरूलोक १४।७ मास्को, यू, एस. एस. आर।

१४. नेपाल अधिराज्य का स्थायी संयुक्त राष्ट्रसंघ नियोग कार्यालय ७११, थर्ड एभेन्यू, रूम १८०६, न्यूयोर्क १००१७ यू एस. ए।

१५. शाही नेपाली राजदूतावास, २४८ धानमंडी, रोड नं. २१ ढाका, बांगलादेश।

१६. शाही नेपाली वाणिज्य दूतावास, १९ वुडलैन्डस, स्टर्नडेल रोड, अलिपुर, कलकत्ता, भारत।

१७. शाही नेपाली वाणिज्य दूतावास, धेखा धानपो संगलाम ६ ल्हासा, तिब्बत।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

१८. ले. कर्नल प्रतापसिंह मल्ल, लायजों अफिस, द्वारा हेड क्वार्टर विग्रेड आंफ गोर्खाज, विक्टोरिया बेरक्स ब्रिटिश फोर्सेज, डाकघर कार्यालय हांगकांग ।

१९. श्री वालिक माइकेल एम. डीकोंका, संमानार्थ शाही नेपाली वाणिज्य दूत ३।८७ काउलेस रोड मौसमान २०८८ सिडनी।

२०. श्री रूडोल्फ विडमान अवैतानिक शाही नेपाली वाणिज्य दूतावास १६५ वी.डी. लैमोनायर ब्रुसेल्स बेल्जियम ।

२१. डा. वाल्टर वाइसेल. संमानार्थ शाही नेपाली वाणिज्य दूत काफेनवाल्डगासे ११ ए–११९० वियना ३२११०५ आस्ट्रिया ।

२२. श्री जे इसा. एल. –खौरी संमानार्थ शाही नेपाली वाणिज्य दूत इसा एल–खोर विल्डिग वेरूत, लैवनान ।

२३. डा. एटो एम. बेंगर, संमानार्थ शाही नेपाली वाणिज्य दूत जुनकर्नगासे ३१, सी. एच. ३०११ वर्न स्वीटजरलैण्ड ।

२४. श्री जे ए. नूर्दिज्क, संमानार्थ शाही नेपाली वाणिज्य दूतावास, सोफिया किन्डरजिकेनहुइस, गोरडलवेग १६०, रोटड्रम, निदरलैण्ड ।

२५. श्री वा सा. अरगिरिस, संमानार्थ शाही नेपाली वाणिज्य दूत ३७ ला सा, ल स्ट्रीट सिकागो, यू. एस. ए. ।

२६. श्री जोरमेन वर्कन्ड स्ट्रेन्ड, संमानार्थ शाही नेपाली वाणिज्य दूत २, सिगवोवेज डी के २१०० कोपेहेगन, डेनमार्क ।

२७. श्री हान्स क्विकटर होवाल्डट, संमानार्थ शाही नेपाली वाणिज्य दूत ६, फ्राकंफोर्ट (मेन) ६०, फ्रिलनस्कग्रासेज ६३, जर्मन गणतन्ण अधिराज्य, (एफ. आए. जर्मनो)

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

२८. श्री गुंटर हौसर, संमानार्थ शाही नेपाली वाणिज्य दूत ८ भुन्नचेन २, नैम हौसर स्ट्रोसेट एफ आर, जर्मनी ।

२९. श्री जोन ए. वाइटर, संमानार्थ शाही नेपाली वाणिज्य दूत ३६३०, जक्सन स्ट्रीट, सेन, फ्रासिस्को, कैलीफो नय , यू, एस ए. ।

३०. श्री वू छौगं किम, संमानार्थ शाही नेपाली वाणिज्य दूत २८६, यांग–डोङ, ईंगू–गु सियूल १००, गणतन्त्र कोरिया ।

३१. श्री कासिम ई. चोपड., संमानार्थ शाही नेपाली वाणिज्य दूत नवाव इसमाइल खां रोड, ३६।१० अनिल कोलोनी नं. ३, कराची ५ पाकिस्तान ।

३२. श्री निकोलस ओ, काटिगवेक, संमानार्थ शाही नेपाली वाणिज्य दूत ११३६–११३८ यूनाइटेड नेशन्स एभेन्यू, पाको (२८०३) मनिला, फिलिपिंस, ।

३३. डा. डा. सुभास चावला, संमानार्थ शाही नेपाल वाणिज्य दूत ९२ च्याथम स्ट्रीट, कोलम्बो, श्रीलका ।

विदेशी कूटनीतिक नियोग (काठमाडौं)	**टेलिफोन नं.**
अमेरिकी राजदूतावास, पानीपोखरी	२१११९९
बांगला देश राजदूतावास, कुपण्डोल	२१३५०९
बृटिश राजदूतावास, लैनचौर	२११५८८
बर्मी राजदूतावास, बालुवाटार	२१३१४६
चीनी राजदूतावास, बालुवाटार	२११२४९

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

प्रजातन्त्रवादी गणतन्त्र कोरिया राजदूतावास	
लैनचोर	२१३५६८
गणतन्त्र कोरिया राजदूतावास,	२१११७२
जर्मन प्रजातन्त्रवादी गणतन्त्र राजदूतावास	२१४८०१
संघीय गणतन्त्र राजदूतावास, कान्तिपथ	२११७३०
मिश्री राजदूतावास	२१२६४५
फ्रान्सीसी राजदूतावास लाजिम्पाट	२१२३३२
भारतीय राजदूतावास,	२११३००
इजरायली राजदूतावास, लाजिम्पाट	२११२५१
इटाली राजदूतावास दरबारमार्ग	२१२७४३
जापानी राजदूतावास, पानीपोखरी	२१२७३०
पाकिस्तानी राजदूतावास, पानीपोखरी	२११४३१
रूसी राजदूतावास,	२११२५५
थाई राजदूतावास, थापाथली	२१३६१०
यू. एन. डी. पी. लैनचौर,	२११६३६

स्वास्थ्य सम्बन्धी नियमः– पीले बुखार (yellow fever) के क्षेत्र से अथवा ऐसे क्षेत्र से होकर आने वाले पर्यटको पास उस बुखार के टीके लगाने का प्रमाण पत्र होना चाहिए । वहिर्गमन भीसा "पर्यटकों को वहिर्गमन–" भीसा " प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं है ।

सीमा शुल्क– प्रवेश मार्ग पर सभी माल असवाव की घोषणा और निकासी सीमाशुल्क के जारिए होना अनिवार्य है । व्यक्तिगत उपयोग के समान निःशुल्क लाने की छूट है । पर्यटकों द्वारा लाए गए सामानों पर उनके तायदाद और कीमत के अनुसार सीमा शुल्क लगता है । निम्न लिखित चीजें निम्न लिखित संख्या वा मात्रा में पर्यटक अपने साथ ला सकते हैं ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

सिगरेट	२०० वत्तियां
सिगार	२० वत्तियां
शराव. ९५ लिटर तक की	१ बोतल
बीयर	२ वोटल अथवा १२, कैन (छोटा सा टिन)

निम्नलिखित चीजें जो उपयोग में लायी जा चुकी हैं वे भी निःशुल्क लाने की अनुमति हैं:–एक दूरबीन, एक बच्चा–गाडी, एक टेपरेकर्डर ६ टेपों के साथ, एक सुवाहय संगीत वाद्य, एक ट्रान्जिस्टर रेडियो, मछली मारने की एक वंसी और उस के उपकरण।

हाथ हथियार और गोला–वारूद का आयात, आयात– प्रमाण-पत्र की अनुमति लेने के वाद ही संभव है यह अनुमति अग्रिम रूप से परराष्ट्र मंत्रालय या गृह मन्त्रालय, काठमाण्डू, नेपाल से प्राप्त की जा सकती हैं।

पर्यटकों द्वारा खरीदी गई पुरानी वस्तु की वैधनिकासी के लिए पुरातत्व विभाग, राष्ट्रिय अभिलेखालय, रामशाहपथ, काठमाण्डू से आवश्यक प्रमाण–पत्र ले लेना चाहिए।

नेपाल में सिक्के की दशमलव प्रणाली है। इस का सब से छोटा हिस्सा पैसा है जो रूपये का सौवां हिस्सा है।

अध्यागमन और वहिर्गमन कार्ड:– पर्यटकको को अपने आग-मन और प्रस्थान के अवसर पर उक्त कार्ड अवश्य भर लेना चाहिए।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

विमान स्थल शुल्कः– हवाई जहाज चढ़ने के पहले प्रत्येक आगन्तुक को रू० १००।– (ने०रू०) विमान स्थल सेवा शुल्क देना पड़ता हैं ।

विदेशी मुद्रा विनिमय सम्बन्धी नियमः– नेपाल में सभी भुक्तानी के लिए नेपाली मुद्रा का प्रचलन है जो विदेशी मुद्रा विनिमय काउन्टर या नेपाल राष्ट्र बैंक (नेपालका सरकारी बैंक) द्वारा अधिकृत किसी दूसरी एजेन्सी से, पासपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद, आसानी से ली जा सकती है । भारतीय पर्यटकको के अतिरिक्त कोई भी दूसरा पर्यटक नेपाल में, भारतीय मुद्रा नहीं ला सकता है । ट्राभलर्स चेक और नगद रकम लाने की अधिकतम, सीमा, आगन्तुकों को, प्रवेशद्वार पर विदेशी मुद्रा उद्योगण-फार्म भरना चाहिए ।

अमेरिकी डलर और भारतीय रूपयं का दरः–
अमेरिकी डालर १ ———— ने०रू० १६·२०
भारतीय रूपया १ ———— " १·४५
अन्य विदेशी मुद्राओं का भाव नेपाल राष्ट्र बैंक प्रति दिन निर्धारित करता है ।

आवासः– होटलों के स्तर का वर्गीकरण पर्यटन विभागद्वारा प्रदान किये गये तारों के आधार पर होता है। इन होटलों में उपलब्ध सुविधाएं और इन का किराया इसी आधार पर निर्धारित होता है । तारे वाले होटल काठमाण्डू और पोखरा में हैं । काठमाण्डू घाटी और अन्य जगहों में सामान्य सुविधाओं से युक्त एवं सभी वर्ग के पर्यटकों के उपयुक्त होटल और लज हैं ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

काठमाडौं के होटल

नाम	टेलिफोन नं.	शैया–संख्या	दैनिक दर (यू. एस. डलर) एकल	डबल	कैफियत
होटल सोल्टी ओबराय	२११२११	५८०	४०.००	५४.००	ई.पी.
" अन्नपूर्ण	२११७११	३२४	३१.००	४४.००	ई.पी.
" याक एण्ड यति	२१३३१७	२६०	३३.००	४५.००	ई.पी.
"एभरेष्ट शेराटन	२१६४६७	१६८	४०.००	४८.००	
" मल्ल	२१५३२०	१५०	२९.००	४१.००	ई.पी.
" शंकर	२११९७३	२६७	२७.००	३०.००	ई.पी.
" ब्ल्यू स्टार	२१२३७९	१४९	१४.००	२२.००	ई.पी.
" क्रिस्टल	२१३६११	१०५	१८.००	२५.००	ई.पी.
" नारायणी	५२१७११	१५०	१९.००	२५.००	ई.पी.
"यलो पैगाडा	२११४९२	१०२	१७.००	२६.००	ई.पी.
"" शांग्रीला	२१२३४५	११०	२५,००	३६.००	ई.पी.
" एम्बेसडर	२१४४३२	८०	८.००	१२.००	ई.पी.
" लोत्से	२१५४७४	३९	७.००	१२.००	"

संकेत– ई.पी. योरोपियन प्लान– कमरा मात्र
बी. बी.– बेड एण्ड ब्रेकफास्ट कमरा और सुबहका नास्ता
ए.पी.–अमेरिकन प्लान–कमरा, सुबह का नाश्ता, लंच और डिनर ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

होटल मनासलु	२१३४७१	५४	७,५०	१२.५०	ई.पी.
" माउन्ट मकालु	२१३९५५	६२	१०.००	१२.५०	ई.पी.
" प्यानोरमा	२११५०२	८४	६.७५	१०.००	
" द नूक	२१३६२७	५४	७.००	११.००	इ.पी.
" वुडलैन्डस	२१२६८३	११४	१६.८५	२५.२५	इ.पी.
" एशिया	२१२०५५	५०	३.७५	६,००	इ.पी.
" क्याम्प	२१३१४५	४१	२.००	५.००	इ.पी.
" सेन्ट्रल	२१३९९७	३४	४.००	६.३०	इ.पी.
" हिमालयन भ्यू.	२१४८९०	६६	४.२५	५.००	
काठमाण्डू गेष्ट हाउस	२१३६२८	८२	५.००	६.५०	
होटल के. टी.	२१४४१७	३२	२.९४	३.७५	इ.पी.
" मुस्तांग	२१२७७२	६२	३.५०	५.५०	इ.पी.
" न्यू लाली गुराँस	२१३३०४	४२	५.५०	६.२५	इ.पी.
" पारस	२११२३३	३५	३.५०	६.००	इ.पी.
" सिद्धार्थ	२१५७६१	४०	१३.००	१७.००	इ.पी.
" स्टार	२११००४	९०	३.५०	५.००	
" भ्याली भ्यू	२१३६८७	३५	५.००	७.००	
" ब्लू डायमन्ड	२१३३९२	४८	९.००	१४.००	
" कोहिनूर	२१३९३०	३२			
ओरियन्टल लज		५५			
" सेभ्वाय	२१२७१६	२०	३.५०	६.००	
" शोभा	२१३२०६	२८	२.१०	३.००	
" शक्ति		२५			
" सुगत	२१४९२६	२१			
" काठमाण्डु काटेज	२१४१६७	२५	१.००	२.००	

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पोखरा के होटल

नाम	शैयाएँ	सिंगल	डबल
होटल न्यू क्रिस्टल	१२०	१८.००	२५.००
" फिस टेल लज	४६	१५.००	२०.००
" माउन्ट अन्नपूर्ण	६४	९.००	१३.००
" न्यू स्नो भ्यू	३४	६.००	९.००
" मन्दार	३०	२.१०	३.३५
" ड्रागन			
" फेवा	२४		
" रूवी			

जनकपुर के होटल

" होली डे	६६	१.२५	२.१०

बीरगंज के होटल

	फोन नं.	शैयाएँ	सिंगल	डबल
होटल दियालो	२३७०	३६	३.००	३.७५
" कैलाश	२३८४	५६	१.५०	३.५०
" संझना	२१२२	३०	३.००	४.२०

भैरहवा के होटल

पशुपति लज	५०		
होटल लुम्बिनी	३०	५.००	७.००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

काठमाण्डू के अन्य पर्यटक स्टेन्डर्ड होटल

होटल कोजी	११८०५	१००	८.२०	१६.३०
" कोन्टी		३		
" इडेन	१३८६३	१५०	६.००	९.००
" मायाल	१३५९६	७०	८.५०	१२.६०

नेपालगंज के होटल

होटल न्यू भेरी

नारायणघाट के होटल

बिसौनी ५०

हेटौंडा के होटल

राप्ती ३८

पाटन के होटल

यूथ होस्टल, महेन्द्र युवालय
जावलाखेल– टेलिफोन ५२१००३

भक्तपुर के होटल

भक्तपुर गेस्ट हाउस । २८ ।२.५० ।४.५०

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

रिजोर्ट होटल

नाम	टेलिफोन नं.	शैय्यांसंख्या	दैनिक दर एकल	दैनिक दर डबल	कैफियत
द्वारिकांज भिलेज होटल	२१४४४६	१८	१७.४०	२८.००	इ.पी.
ऐभरेष्ट भ्यू होटल	२१५२७१	२४	१८१.००		उडान खर्च
तारा गांव भिलेज	२१५४०९				और भोजन
शेर्पा को आपरेटिभ	२१५८८७				के साथ
हट्स लुक्ला		३२	८.५०	१४.५०	ई.पी.
होस्टेलोरिया डेस		३२	१०.००	१६.००	ई.पी.
शेर्पा फाप्लु					
नगरकोट लाज		२०	२८.००	४६.००	
एभरेष्ट काटेज, नगरकोट		३०	३.००	४.००	ई.पी. मेघौलीमे
नीलगिरी भ्यू. जोमसोम	१२७०६	५७	९०.००		स्थानान्तरण के साथ
टाइगर टाप्स, जंगल लज, काठमाण्डू					
गैंडा वाइल्ड लाइफ कैम्प	१२४२२	४२			ए.पी.
एलीफैन्टं कैम्प	१३९७६	२४	१२.००		

नोटः— दरः— उपर्युक्त दरें सार्केतिक मात्र हैं। वे बिना पूर्व सूचना के बदली भी जा सकती हैं।

सेवा शुल्क १०% और कर १०%

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

नेपाल के दर्शनीय स्थल काठमाण्डू

काठमाण्डू– काठमाण्डू उपत्यका का दृश्य बहुत आकर्षक है । यह उपत्यका सुन्दर चोटियों और हरीभरी पहाड़ियों से यह चारों तरफ से घिरी हैं । इस उपत्यका के तीन नगर– काठमाण्डू, पाटन और भक्तपुर बडे ऐतिहासिक कलात्मक और सांस्कृतिक सम्पदा में परिपूर्ण हैं । काठमाण्डू उपत्यका का क्षेत्रफल २१८ मील है और इसकी जनसंख्या करीब ६,००,००० है । यह समुद्र की सतह से ४५,०० फीट की ऊँचाई पर स्थित है । काठमाण्डू शहर के निम्न स्थल अवश्य देखने चाहिए ।

पशुपतिनाथ मन्दिर:– पैगोडा शैली में निर्मित भगवान शिव का यह मंदिर पवित्र वागमती नदी के किनारे पर स्थित है । इस मंदिर की छत सुनहली है और इसके रजतमण्डित कपाटों पर सुन्दर नक्काशी की हुई है । हिन्दू संसार के सब से महत्त्वपूर्ण इस पशुपति क्षेत्र में शिवरात्रि के शुभ अवसर पर तीर्थ यात्रियों का विशेष जमघट होता है तथा वे शिवजी की पूजा आराधना करते हैं । पशुपतिनाथ का मंदिर काठमाण्डू से ५ कि. मी. दूरी पर स्थित है तथा इसके प्रांगण में केवल हिन्दू ही प्रवेश कर सकते हैं । अन्य धर्मावलम्बी पर्यटक वागमती नदी के पूर्वी किनारे से इस मंदिर का दर्शन करते हैं ।

गुह्येश्वरी मन्दिर:– हिन्दू तीर्थ यात्रियों का यह दूसरा महत्त्वपूर्ण तीर्थ स्थान है । शक्तिपीठ के रूप में पूजित देवस्थल के भीतर सती की आराधना की जाती है । पुराणों क अनुसार यहीं सती का गुह्यपतन हुआ था । इस मंदिर के भी प्रांगण में सिर्फ हिन्दू ही जा सकते हैं ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

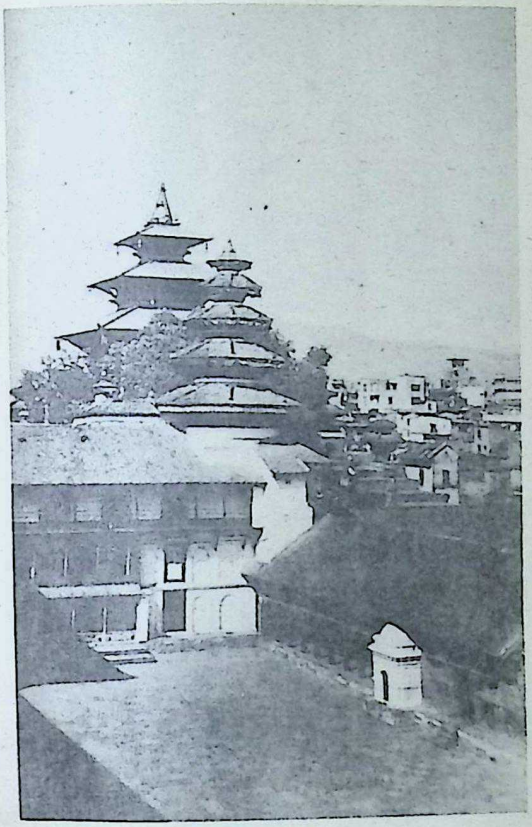

हनुमान ढोका

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

बौद्धनाथः– विश्व का सब से बडा यह स्तूप पशुपतिनाथ और गोकर्ण वन के बीच में है । कहा जाता है कि इस का निर्माण राजा मानदेव प्रथम ने मणियोगिनी देवी के परामर्श अनुसार अपने पापों के प्रायश्चित के लिए करवाया था ।

मच्छेन्द्रनाथ मन्दिरः– यह पैगोडा शैली का मंदिर है तथा इस की कलाकृति अत्यन्त सुन्दर है । यह दो मंजिला मदिर है तथा इस की छत कांसे की है । यस मंदिर एक आंगन में स्थित है तथा इस मन्दिर के परिसर में कई छोटे छोटे स्तूप और चैत्य विद्यमान हैं । इस मंदिर के चारों ओर आवासीय घर और दूकानें भी हैं ।

आकाश भैरव मन्दिरः– यह तीन मंजिला मन्दिर इन्द्रचोक बजार के चौराहे में पड़ता है । इन्द्रजात्रा के उत्सव में इस मंदिर के देवता आकाश भैरव की प्रतिमा एक हफ्ते तक बाहर प्रदर्शित की जाती है ।

हनुमानढोका दरबारः– यह दरबार काठमाण्डू का ऐतिहासिक स्थल है । इस राजदरबार के अन्दरूनी चौक में लोग धार्मिक और सांस्कृतिक समारोहों का आयोजन और प्रदर्शन करते हैं । इस राजदरबार के परिसर में निम्न वस्तुएँ विशेष देखने लायक हैं ।

१. राजा महेन्द्र मल्ल द्वारा १५७६ में निर्मित तलेजु भवानी का मंदिर ।
२. काल भैरव की मूर्ति ।
३. राष्ट्रनिर्माता श्री ५ बडा महाराजाधिराज पृथ्वीनारायण शाह द्वारा निर्मित नौ मंजिला दरबार ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

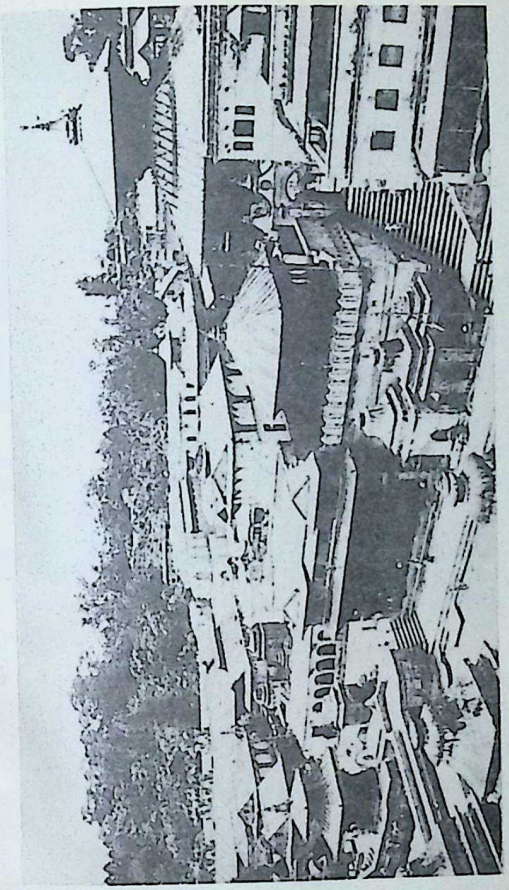

पशुपतिनाथ की मन्दिर

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

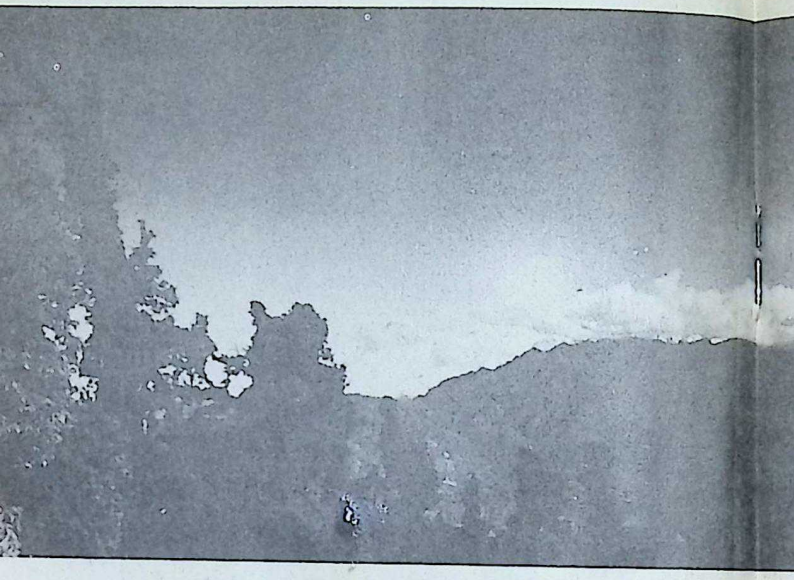

धौलागिरी पर्वतमाला, पश्चिम नेपाल

४. राज्यभिषेक मंच ।
५. प्रेक्षागृह ।
६. प्रस्तर स्तंभ के उपर स्थापित राजा प्रताप मल्ल की स्वर्ण प्रतिमा ।
७. बड़ा घण्टा ।
८. बड़ा नगाडा

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

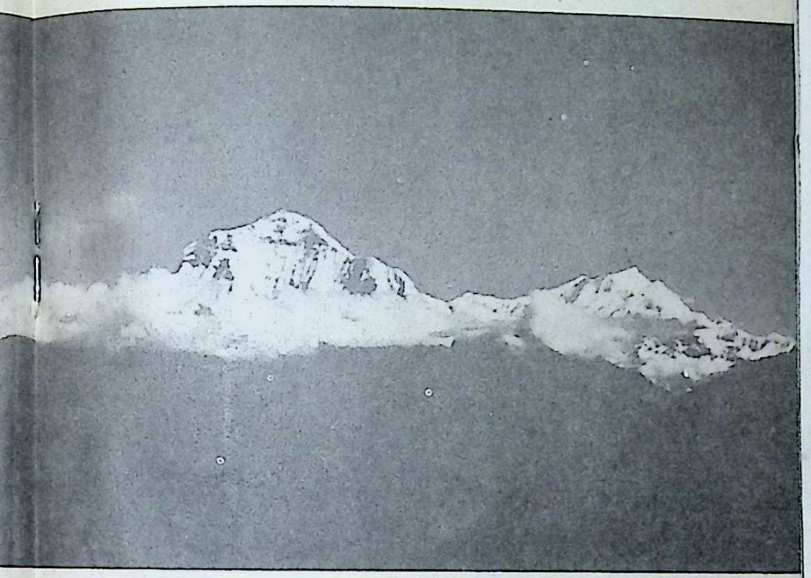

नेपाल

राजदरबार के प्रांगण में पैगोडा शैली में निर्मित नौ मंजिला दरबार अत्यन्त सुन्दर और मनमोहक है। दरबार में तथा दरबार के अन्दर निर्मित मंदिरों में अंकित कलाकृतियाँ तथा नक्काशी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर लेती हैं। राजदरबार का प्रवेश शुल्क सिर्फ ५।– रू. प्रति व्यक्ति है। दरबार के मुख्य प्रवेशद्वार पर दरबार की रक्षा के लिए महावीर हनुमान की मूर्ति स्थापित की

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

गई है । सिन्दूर मण्डित महावीर लाल कपडों के परिधान में है। और उन के सर पर एक वडी छतरी फैली हुई है।

कुमारी घरः— कुमारी देवी का यह वासस्थान ईट और लकडी द्वारा वनाया गया है तथा इसके छज्जों एवं खिडकियों बहुत ही शानदार नक्काशी की गई हैं। हिन्दू और वौद्धों के अलावा अन्य आगन्तुक इस मंदिर के आंगन तक ही प्रवेश पा सकते हैं परन्तु इसके आगे जाने की अनुमति नहीं है । कुमारी अपने भक्तों का अभिवादन खिडकी से ही ग्रहण करती है एवं उन का फोटो खींचना वर्जित है ।

काष्ठमंडपः— काष्ठमंडप कुमारी घर के समीप में ही स्थित है। इस का निर्माण लक्ष्मी नरसिंह मल्ल ने (१६२०—१६३६) ई में कराया था । यह मण्डप एक ही वृक्ष के काठ से वना हुआ है ; ऐसी जनधारणा है ।

स्वयंभू चैत्यः— यह चैत्य विश्व के महत्त्वपूर्ण वौद्ध चैत्यें में से एक है तथा इसका निर्माण करीव दो हजार वर्ष पहले हुआ था स्तूप का विचला भाग ईंट और मिट्टी से वनाया गया है तथा इस का ऊपरी भाग अत्यन्त मनमोहक लगता है । इस के स्तूपाकृति भाग के ऊपर निर्मित चौकोर वनावट में भगवान बुद्ध की सर्वदर्शी आखें निर्मित हैं । यह चैत्य काठमाण्डू से ३ कि. मो. पश्चिम एक पहाडी पर स्थित है जो उपत्यका की सतह से २५० फीट उपर है । इस पहाडी के उपर छोटे छोटे अनेक चैत्य तथा पैगोडा शैली में निर्मित एक दो मंदिर भी विद्यमान हैं ।

प्राकृतिक इतिहास संग्रहालयः— स्वयंभू स्तूप के नीचे प्राकृतिक इतिहास संग्राहालय भी दर्शनीय है ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

काल भैरव की मूर्ति

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

राष्ट्रिय संग्रहालयः– काठमाण्डू से ढाई किलोमीटर पश्चिम मे स्थित यह राष्ट्रिय संग्रहालय विभिन्न किस्म के हथियारों और प्राचीन मध्यकाल और वर्तमान नेपाल सम्बन्धी सामग्रियां आकर्षक और ज्ञानवर्धक हैं ।

नारायणहिटी दरबार :– यह श्री ५ महाराजाधिराज सरकार का निवास स्थान है। इस के प्रांगण में प्रवेश करने के लिए विशेष अनुमति की आवश्यकता होती है ।

सिंहदरबारः– सिंहदरबार का निर्माण प्राइमिनिष्टर चन्द्रशमशेर द्वारा हुआ था तथा कई वर्षों तक यह राणा प्रधानमन्त्री का निवास स्थान था । वि.सं. २०३० में इस का काफी भाग जलकर नष्ट हो गया। हाल इसका जीर्णोद्धार कार्य तेजी से हो रहा है ।

शहीद स्मारकः– सिंहदरबार जाने के मार्ग पर शहीद स्मारक का निर्माण किया गया है। राष्ट्रपिता स्वर्गीय श्री ५ त्रिभुवन की प्रतिमा के साथ साथ देश में १९५०–५१ के जन आन्दोलन के शहीदों की प्रतिमाएं इस स्थान पर स्थापित की गई हैं ।

गोकर्ण वनः– गोकर्ण का यह शाही उद्यान काठमाण्डू से करीब १० कि. मी. उत्तर–पूर्व मे हैं। वागमती नदी के किनारे पर स्थित इस वन के चीतल, हरिण, मृग आदि अनेक जंगली जानवर पाए जाते हैं ।

चोभारः– इस दर्रे से होकर वागमती उपत्यका से बाहर निकलती है । बोधिसत्व मन्जुश्री ने अपने खड्ग से यहाँ की जमीन

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पाटन स्थित महाबौद्ध की मन्दिर

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

को काट कर उपत्यका में एकत्रित बागमती जल को निकाला था और उपत्यका को बसने लायक बनाया था ; ऐसा जनविश्वास है । भगवान् श्रीकृष्ण अनिरूद्ध उद्धार के लिए यहाँ आए थे तथा वाणासुर युद्ध में शिव से युद्धरत हुए थे तब उन्होने अपने चक्र से इस दर्रे को काटा था ऐसा हिन्दुओं का विशवास है । इस दर्रे के उपर की पहाडी पर आदिनाथ का एक भव्य पैगोडा मन्दिर विद्यमान है तथा यहाँ से उपत्यका के उत्तर में फैली बर्फीली चोटियों का मनोरम दृश्य दिखलाई पड़ता है । यह स्थान काठमाण्डू के दक्षिण–पश्चिम में आठ कि. मी. दूरी पर स्थित है ।

फर्पिंग और दक्षिणकाली:– फर्पिंग में शेषनारायण का मंदिर धार्मिक और कला की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है । पहाडी पर स्थित इस मंदिर के सामने छोटी छोटी बावडियों में अनेक किस्म की मछलियां पाली गई हैं। महासरस्वती और सीता के स्वरूप में पूजित भगवती दक्षिणकाली का प्रसिद्ध मंदिर फर्पिंग से दो कि. मी. पर पर स्थित है । प्रत्येक मंगलवार और शनिवार यहाँ पूजा के निमित्त यात्रियों की भीड़ लगती है ।

पाटन (ललितपुर)

यह प्राचीन नगर काठमाण्डू से करीब ५ कि. मी. दूरी पर बागमती के किनारे पर बसा है । यह नगर राजा वीर देव द्वारा बसाया गया था तथा यहाँ अशोक कालीन स्तूप और मध्यकाल के अनेक हिन्दू एवं बौद्ध मन्दिर और अन्य दर्शनीय स्थल हैं । इस नगर की कांस्य कला विशेष उल्लेखनीय है ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

दरबार चोकः— नगर के मध्य में स्थित दरबार चोक एक अत्यन्त आकर्षक स्थल है। इस चोक में विद्यमान आंगन, दरबार क्षेत्र, शाही स्नानागार तथा देवी देवताओं के मंदिरों में मध्यकाल की अनुपम कला देखेनें को मिलती है। इस चोक के अन्दर एक धातुकला संग्रहालय भी है जहाँ देश की कांस्य एवं पीतल की अनुपम मूर्तियां तथा अन्य सामग्री प्रदर्शित की गई है।

कृष्ण मन्दिरः— सत्रहवीं शताब्दी में राजा सिद्धि नरसिंह मल्ल ने इस मन्दिर का निर्माण करवाया था। यह केवल पत्थरों से बना है। रामायण और महाभारत के युद्ध दृश्य मंदिर के बल्तरी पर उत्कीर्ण हैं।

हिरण्य वर्ण महाविहारः— क्वाबहाल के प्रांगण में स्थित यह तीन मंजिला महाविहार तेरहवी शताब्दी में राजा भाष्कर वर्मा द्वारा बनाया गया था। इस महाविहार के सुनहले पैगोडा के अन्दर पीठिका के ऊपर भगवान बुद्ध की एक सुनहली प्रतिमा की नित्य पूजा की जाती है। महाविहार के प्रांगण मे ॐ मणि पद्मे हुम् मन्त्र से सज्जित एक माने (प्रार्थनाचक्र) भी है जिसे घुमाकर व्यक्ति पुण्याजर्न करता है। इस विहार की दीवारें बहुत ही कलात्मक ढंगसे सजायी गई हैं। इस विहार के प्रार्थना कक्ष में आधुनिक चित्रों और मूर्तियों के संग्रहालय भी हैं।

कुम्भेश्वर मंदिरः— शिव के इस मंदिर का निर्माण राजा जयस्थिति मल्ल ने १३९२ ई मे कराया था इस मंदिर का स्वर्ण कलश दर्शनीय है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मछिन्द्रनाथ मंदिर:– १६७३ ई. में निर्मित मछेन्द्र नाथ (रक्त वर्ण के) का प्यागोडा एक आंगन नें स्थित है । वैशाख महीने में देवता की रथयात्रा बड़े धूमधाम से निकाली जाती है ।

जगत नारायण मंदिर:– वागमती नदी के किनारे लाल ईटों का, जगतजंग द्वारा निर्मित यह मंदिर आकार में बहुत बडा तथा देखने में अत्यन्त रमणीय है । यहाँ पर बहुत सी प्रस्तर प्रतिमाएं हैं । इस मंदिर के अन्दर पत्थर की पीठका पर स्थापित गरूड की धातु की मूर्ति बहुत ही कलात्मक है ।

मीननाथ मंदिर:– पैगोडा शैली में निर्मित, मीननाथ का यह मंदिर मच्छिन्द्रनाथ के मन्दिर से भी पुराना है । मच्छिद्रनाथ के साथ साथ मीननाथ की भी रथयात्रा मनायी जाती है ।

अशोक स्तूप:– ईशा से तीसरी शताब्दी पूर्व निर्मित मौर्य कालीन चार स्तूप आज भी देखे जा सकते हैं । इनका निर्माण नगर के चारों कोनों में हुआ था ।

चिडिया खाना:– यहाँ नेपाल के विभिन्न क्षेत्रों में पाए जाने वाले अनेक तरह के जानवर, चिडिया, गैंडा, मृग आदि रखे गए हैं ।

गोदावरी वनस्पति उद्यान:– यह वाटिका पाटन नगर से १० कि. मी. दूरी पर स्थित है । उपत्यका के निवासी पिकनिक के लिए इस स्थान पर जाना पसन्द करते हैं । यहाँ पर शाही वनस्पति उद्यान, मत्स्य पालन केन्द्र और संगमरमर की खान भी है ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

वज्रवाराही मन्दिरः– यह मन्दिर एक सुन्दर जंगल के बीच में अवस्थित है । पाटन से १० कि. मी. दक्षिण चापागाउँ में स्थित इस मन्दिर का दर्शन भक्तजन बड़ी श्रद्धा से करते हैं। लोग यहाँ से टीका भैरव और लेले सरस्वती के दर्शनार्थ जाते हैं।

फूलचोकीः– फूलचोकी 9050 फीट से भी उँचे इस पहाड की पदयात्रा आनन्द वर्धक है । यहाँ से सफेद, लाल रंग के बुरुश के फूल इस स्थान की शोभा और भी बढाते हैं । जीप के द्वारा भी इस पहाड के शिखर तक पहुंचा जा सकता है । शिखर पर बौद्ध धर्मावलंबियों एक मंदिर भी है ।

भक्तपुर

राजा आनन्द देव के द्वारा बसाया गया शंख के आकारका भक्तपुर शहर मध्यकालीन कला और संस्कृति के लिए उल्लेखनीय है । भक्तपुर का शाब्दिक अर्थ है, भक्तों की नगरी । इस नगर समीप में बसे हुए ठिमी के गांव में कुह्मार मिट्टी के बहुत सुन्दर बर्तन बनाते हैं । काठमाण्डू से १३ कि. मी. दूरी पर स्थित इस नगर में स्थानीय नेवारों द्वारा कपडे की बुनाई की जाती है । भक्तपुर यात्रा की यादगार के रूप में पर्यटक यहाँ बनी हुई काली टोपी ले जाते हैं ।

सिद्ध पोखरीः– इस पोखरी का निर्माण यक्षमल्ल के शासन काल में हुआ था । इस का आकार चौकोर है तथा यह पोखरी भक्तपुर नगरी के प्रवेश द्वार पर ही विद्यमान है । साफ मौसम में यहाँ से हिमालय पर्वत श्रेणियों का दृश्य देखा जा सकता है ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

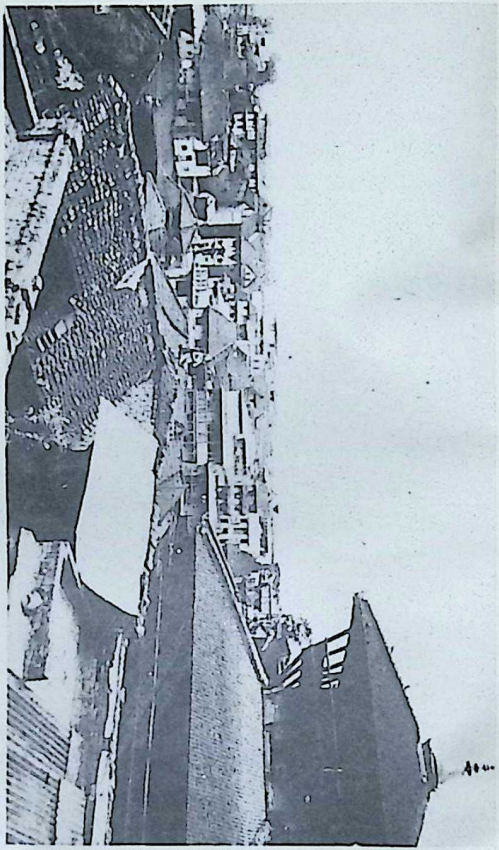

भक्तपुर शहरका एक दृश्य (दायें दत्तात्रयको मन्दिर)

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

दरबार चोक:– शहर के मध्य में स्थित इस चोक के अन्दर असंख्य मन्दिरों एवं पुरातात्विक दर्शनीय स्थल, जैसे सिंह द्वार, चित्र कला संग्राहालय, सुनहला द्वार, राजा भूपीन्द्र मल्ल की प्रतिमा, ५५ खिडकी वाला राजदरबार, बड़ा घण्टा, वत्सला देवी का मन्दिर तथा पशुपतिनाथ के मन्दिर आदि दर्शनीय हैं ।

सिंहद्वार:– यह द्वार के नाम से विशेष रूप से प्रसिद्ध है । द्वार के चारों ओर निर्मित हनुमान, भैरव, नरसिंह आदि की मूर्तियाँ भव्य हैं । इस मंदिर और सिंह द्वार का निर्माण राजा भूपतीन्द्र मल्ल के समय में हुआ था ।

चित्रकला संग्रहालय:– इस संग्रहालय में हिन्दू और बौद्ध तान्त्रिक परंपराओं के अनक प्राचीन चित्र प्रदर्शित किए गए हैं । संग्रहालय मंगलवार को बन्द रहता है ।

सुवर्ण द्वार:– ५५ (पचपन) खिड़कियों वाले राजदरबार के प्रांगण में प्रवेश करने का यह प्रमुख द्वार है । इस का निर्माण रणजीत मल्ल ने अपने शासन काल में कराया था । यह प्रवेश द्वार अपनी कलात्मकता के लिए सम्पूर्ण विश्व में प्रसिद्ध है । कला समीक्षक पर्सी ब्राउन ने इस स्वर्ण द्वार को नेपाल अधिराज्य की सब से महत्वपूर्ण कलाकृति बतलाया है ।

राजा भूपतीन्द्र मल्ल की प्रतिमा:– राज प्रासाद के सामने स्तंभ के उपर प्रार्थना मुद्रा में स्थापित है।

पचपन खिडकियों वाला दरबार:–१४२७ ई में राजा यक्ष मल्ल ने इस राजदरबार का निर्माण कराया था तथा सत्रहवीं शताब्दी में राजा भूपतीन्द्र मल्ल के द्वारा इस राजदरबार का पुनः निर्माण

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

किया गया । ईंट की दीवारों के मध्य में इन खिड़कियों का निर्माण हुआ है तथा इन पर की गई नक्काशी अत्यन्त मनोरम है ।

बडा घण्टा:– प्राचीन समय में इस का प्रयोग विपत्ति के संकेत के लिए किया जाता था । यह विशाल घण्टा सन् १७३७ में राजा रणजीत मल्ल के द्वारा स्थापित किया गया और प्रत्येक दिन प्रातः काल में देवी तलेजु भवानी की पूजा के समय इसे बजाया जाता था ।

वत्सला मंदिर:– वत्सला देवी के इस मंदिर का निर्माण पत्थर के टुकडों से किया गया है तथा मंदिर के उपर की गई नक्काशी बहुत ही सुन्दर है । मन्दिर के छत के पर स्थापित घण्टे का प्रयोग राजा भूपतीन्द्र मल्ल के द्वारा प्रेतात्माओं को दूर भगाने के लिए किया गया था, ऐसी स्थानीय लोकोक्ति है ।

पशुपतिनाथ मंदिर:– यह मंदिर काठ के टुंडालों पर उत्कीर्ण रतिमुद्राओं के लिए विशेष उल्लेखनीय है । इसका निर्माण सन १६८२ में राजा जय मल्ल द्वारा हुआ था । वास्तु कला के दृष्टिकोण से यह मंदिर काठमाण्डू के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर की प्रतिकृति है ।

भैरवनाथ मंदिर:– इस मंदिरका निर्माण सर्वप्रथम एक मंजिला पैगोडा के रूप में राजा जगजज्योति मल्ल के समय में हुवा था । तदुपरान्त सन १७१८ में राजा भूपतीन्द्र मल्ल ने इसे तीन मंजीला वना दिया । भक्तपुर जानेवाले पर्यटक इस अति सुन्दर मन्दिर का दर्शन करना नहीं भूलते ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

न्यातपोल मंदिर:– न्यातपोल नेवारी भाषा का शब्द है और इस का अर्थ होता है पाँच मंजिलों वाला । पैगोडा शैली का यह मंदिर १७०८ में राजा भूपतीन्द्र मल्ल के द्वारा बनाया गया था । पाँच खण्डो वाले चबूतरे पर स्थापित इस मन्दिर की सीढियों के पर स्थित है तथा इस मंदिर दाहिने और बाये एक एक जोडी मूर्तियां है । वे हैं, नीचे से क्रमशः दो प्रसिद्ध पहलवान, दो हाथी, दो सिह, दो शार्दूल तथा दो देव प्रतिमाएं । यह पहलवान साधारण आदमी से दश गुणा बली थे तथा इस से उपर के हाथी, सिह, शार्दूल तथा देव मूर्तियां क्रमशः एक से दश शालीमानी गई है । पैगोडा शैली में निर्मित इस मन्दिर की कला भी अत्यन्त भव्य और प्रभावशाली है

दत्तात्रेय मन्दिर:– सन् १४२७ ई. में राजा यक्ष मल्ल ने इस मंदिरका निर्माण एक ही वृक्ष के तने से करवाया था । सन् १४५८ ईश्वी में राजा विश्व मल्ल ने इस का जीर्णोद्धार किया । इस मंदिर के सान्निध्य में विद्यमान मठ मयूर के अंकित गवाक्षों के लिए संसार प्रसिद्ध है । इस अत्यन्त कलात्मक मयूर गवाक्ष का निर्माण सन् १४५८ में राजा विश्व मल्ल के शासन काल में हुआ था । इस मठ के अग्रभाग तथा प्रांगण में अत्यन्त रमणीय जालीदार गवाक्ष है ।

सूर्य विनायक:– उदीयमान सूर्य के किरणे रमणीय वन के किनारे पर स्थित इस मन्दिर को अपना पहला स्पर्श देती है । शंखाकार भक्तपुर नगर का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है । स्थानीय लोग इस रमणीय स्थान पर पिकनिक मनाते रहते है ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

दत्तात्रयकी मन्दिर, भक्तपुर

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

चांगु नारायणः– ऐसा कहा जाता हैं की इस मंदिरका निर्माण राजा हरि दत्त वर्मा ने करवाया था । मंदिर के आंगन सें छिन्नमस्ता महादेवी का एक छोटा सा मंदिर है । इस मंदिर के आंगन में विद्यमान विश्वरूप गरूड तथा वैष्णव संप्रदाय की अन्य मूर्तियां अत्यन्त प्राचीन कलात्मक हैं । पैगोडा शैली के इस मंदिर के सामने नेपाल अधिराज्य के प्रथम ऐतिहासिक राजा मानदेव प्रथम का ५ वीं शताब्दी का एक शिला-लेख भी हैं । यह मंदिर काफी उँचाई में है और इस स्थान से उपत्यका के चारो ओरका मनोरम प्राकृतिक दृश्य देखी जा सकती हैं ।

अन्य दर्शनीय स्थल

ककनीः– यह स्थान समुद्र की सतह से मीटर की उँचाई काठमाडौं से उत्तर दक्षिण किलो मीटर की दूरी स्थित हैं । उत्तर पश्चिम की अनुपम हिमालय–पर्वत श्रृंखलाओं का दृश्य यहाँ से बहुत साफ दिखाई देता है ।

नगरकोटः– यह स्थान काठमाडौं के पूर्व में ३२ किलो मीटर की दूरी पडता हैं । समुद्र की सतह से मीटर की उँचाई पर स्थित इस स्थान पर लोग अपने छुट्टी मनाने आते हैं । दार्जीलिङ के टाइगर हिल की ही तरह यहाँ से सूर्योदय और सूर्यास्त का अति मनोहारी दृश्य दिखाई देता है । ये दृश्य देखने और पूरब मे सगरमाथा से लेकर पश्चिम की धौलागिरि हिम श्रृंखला का अवलोकन करने जाने वाले पर्यटकों और स्थानीय लोगों की तांत सी यहाँ लगी रहती है ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

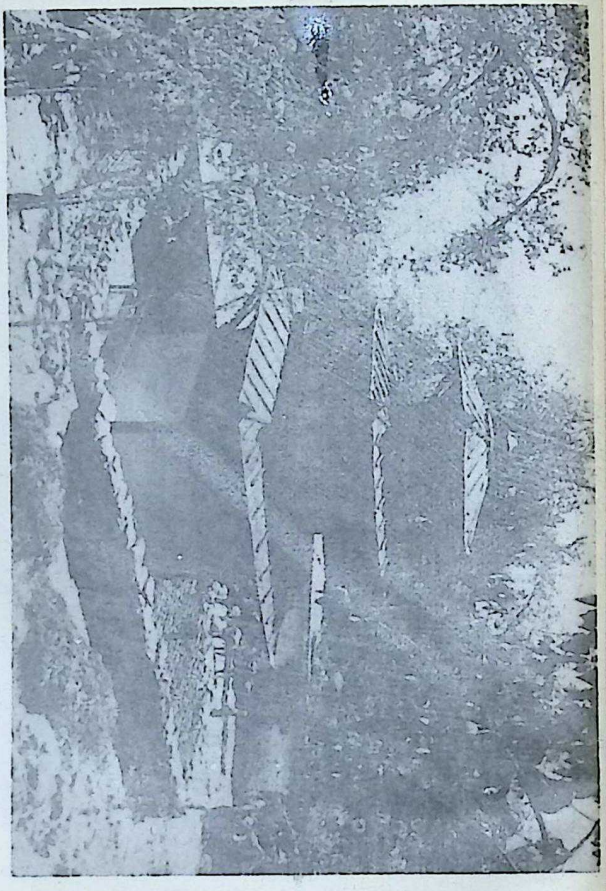

मुक्तिनाथ का मन्दिर

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

धूलीखेलः— यह सुन्दर और प्राचीन शहर अरनिको राजमार्ग (काठमाडौं–कोदारी) पर काठमाडौं के पूर्व में ३५ किलो मीटरकी दूरी पर स्थित है। यहाँ से पूर्व से पश्चिम में फैली हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं का दृश्य देखा जा सकता है।

दामनः— धौलागिरि से लेकर सुदूर पूर्व सगरमाथा तक की हिम श्रृंखलाओं को देखने के लिए दामन से बढकर कोई स्थान नहीं है। दामन त्रिभुवन राजपथ पर काठमाडौं से ८० किलो-मीटर की दूरी पर स्थित है। यहाँ हिमालय दृश्यावलोकन के लिए एक मीनार बनायी गयी है तथा इसके अन्दर दूरबीन भी राखी गयी है। इस दूरबीन के द्वारा हिम श्रृंखला के साथ साथ काठमाडौं उपत्यकाका दृश्य भी देखा जा सकता है।

राप्ती दून (चितवन):— घने जंगलो के भरी यह उपत्यका एक सींगवाला गैंडा भयानक बाघ और तेंदुओं आदि के लिए प्रसिद्ध है। यह जंगल जानवरों के अभयारण्य हैं और चितवन शाही राष्ट्रिय निकुञ्ज के द्वारा प्रशासित है। यहाँ केवल कैमरे से शिकार किया जा सकता है। वन्य जन्तुओं और विभिन्न जाति के घडियालों को नजदीक से देखने के लिए इस मे बढकर दूसरी जगह नहीं हैं। टाइगर टप्स, गैंडा वाइल्ड लाइफ, एलिफयाण्ट क्याम्प आदि संस्थाएँ इस अभयारण्य से दृश्यावलोकन और आवास का प्रवन्ध करती हैं। सडक और हवाई जहाज द्वारा यह क्षेत्र देश के दूसरे भागों से जुडा है।

लुम्बिनी काननः— लुम्बिनी भगवान बुद्ध का जन्म-स्थल है और नेपाल की पश्चिम तराई मे स्थित है। ईशा पूर्व तीसरी

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

शताब्दी में सम्राट अशोकद्वारा स्थापित मायादेवी का मन्दिर प्राचीन विहार के भग्नावशेष तथा भगवान बुद्ध के जन्म से सम्बन्धित मूर्तियाँ आदि इस स्थान की विशेष निधियाँ हैं। लुम्बिनी विकास योजना के अन्तर्गत इस स्थान विकास के लिए बहुमुखी प्रयास हो रहे हैं जिन में पुरातात्विक उत्खनन कार्य भी सम्मिलित है। उत्खनन–कार्य के परिणाम में उत्साहवर्धक है। काठमाण्डू से वायु मार्ग के द्वारा भैरहवा पहुंचा जा सकता हैं और वहाँ से अपनी गाडी या सवारी के अन्य साधनों से यहाँ पहुंचा जा सकता हैं।

जनकपुर:– यह एक ऐतिहासिक स्थल है जगज्जननी सीता का जन्मस्थल जनकपुर, यहाँ के बने हुए संगमरमर के कलात्मक नौलखा मन्दिर के नाते विशेष रूपसे प्रसिद्ध है। इस नगर मे रामनवमी और विवाह पंचमी के शुभ अवसर पर और प्रत्येक पूर्णिमा, अमावस्या तथा संक्रान्तियों पर धार्मिक उत्सवों, तीर्थ-यात्राओं, व्यापार–मेला और अन्य उत्सव होते रहते है। जनकपुर काठमाण्डू से हवाई और स्थल मार्ग से जुड़ा हुआ है।

हेलम्बू:– हेलम्बू शेर्पा जाति की एक रमणीय स्थल है तथा यह स्थान काठमाण्डू से उत्तर पूर्व मे ४५ किलो-मीटर की दूरी पर स्थित है। यहाँ के प्राकृतिक दृश्य बहुत सुन्दर हैं। इस गांव के आस पास में बहुत से बौद्ध विहार हैं।

नाम्चे बाजार:– नाम्चे बाजार सर्वोच्च शिखर सगरमाथा का प्रवेश द्वार है। नाम्चे बाजार काठमाण्डू से .... किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं तथा पन्द्रह दिनों की पैदल यात्रा के द्वारा पहुंचा जा सकता हैं। नाम्चे बाजार पर्वतारोहण के कठिन कार्य में विश्व प्रसिद्ध बनी शेर्पा जाति की मुख्य बस्ती है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

एक सुन्दर शिव-लीङ्ग

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

विराटनगरः— महाभारत में उल्लिखित मत्स्य देश की राजा विराट की राजधानी यहीं थी या कहीं और थी यह तो नहीं कह सकते पर लोग इसे ही ऐतिहासिक विराटनगर मानते हैं। यह नगर नेपाल के कोशी अंचल में पडता है तथा यहाँ बडे–बडे कारखाने हैं जहाँ भीम ने कीचक को मारा था वह कीचक बध भी नजदीक ही है। महर्षि विश्वामित्र का नाम कौशिक से जुडी पवित्र कौशिकीया कोशी की त्रिवेणी और वराह क्षेत्र जहाँ कार्तिक पूर्णिमा के दिन बहुत बडा मेला लगता है, विराटनगर से धरान नगर होते हुए, बस या जीप द्वारा पहुंचा जा सकता है। धरान के नजदीक ही सिद्धपीठ दन्तकाली का मन्दिर है जहां सती के दाँत गिरे थे। राई जाति के कुल देवता बूढा सुब्बा का मन्दिर भी नजदीक है। इस मंदिर के आसपास के बाँसों में फुनगी नहीं होती। केवल राई जाति के लोग नहीं सभी जातियाँ बूढा सुब्बा देवता को मानती हैं। इस मन्दिर के पूजारी मगर जाति के हैं और बलि किये हुए बकरे, मुर्गे, वत्तख आदि का जाँच कर भक्त का भविष्य फल बताते हैं। पिण्डेश्वर महादेव का ऐतिहासिक मन्दिर भी धरान के ज्यादा दूर नहीं है। धरान और विराटनगर दोनों नगरों में हर आए वर्ग के रहने लायक होटल और धर्मशालाएं हैं। पर्यटक–स्तरका एक स्तरीय होटल भी है।

गोरखाः— गोरखा जिल्ले का सदर मुकाम है। यह स्थान एक पहाडी की तलहटी बसा है। दरबार के प्रांगण में गुरु गोरख नाथ की गुफा तथा भगवती काली का भव्य मन्दिर विद्यमान है। आधुनिक नेपाल के निर्माता बडा महाराजाधिराज श्री पृथ्वीनारायण शाह की जन्मस्थली होने का गौरव गोरखा को

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

प्राप्त है । इस दरबार की काष्ठ कला बहुत सुन्दर है। काठमाण्डू से गोरखा तक बस से पहुंचा जा सकता है।

मनकामना:– अपने भक्तों के मन की मुराद पूरी करने के कारण इन भगवती का नाम मनकामना रहा है । मन की आस ले कर या इस के पूरे होने पर लोग इन के दर्शनों को जाते हैं । काठमाण्डू से बस द्वारा मुगलिंग टार या मजुवा खैरेनी पहुँच कर चार घण्टे की चढ़ाई के बाद यहाँ पहुँच सकते हैं ।

पोखरा उपत्यका:– पोखरा उपत्यका नेपाल के रमणीय स्थलों में एक है । प्रसिद्ध फेवा, बेगनास, रूपा आदि झीलों ने चार चाँद जड़े हैं । पोखरा काठमाण्डू से २०० किलोमीटर की दूरी पर स्थित है तथा वायु और स्थल मार्ग से जुड़ा है । पोखरा झीलों का शहर माना जाता है । पोखरा तराई क्षेत्र से (सिद्धार्थ राजमार्ग) द्वारा जुड़ा है । झीलों के अलावा भगवती–विन्ध्यवासिनी का मन्दिर महेन्द्र गुफा, सेती नदी के गहरे दर्रे डेविन फाल, यहाँ के अन्य दर्शनीय स्थल हैं । हिमालय पर्वत श्रृंखला का सुन्दरतम शिखर माछा पुच्छे जब उगते सूर्य की सुनहली किरणों से चमक उठता है या फेवा झील के निर्मल जल में झलकता है – तब पोखरा की सुन्दरता बस मत पूछिये ?

वर्ष भर के प्रमुख त्यौहारों और उत्सवों की सारिणी– पर्यटकों के मध्य नेपाल भोज औ पर्वत्यौहार के देश के रूप में जाना जाता है । वर्ष में जितने दिन होते हैं उनसे की अधिक पर्वोत्सव नेपाली जन मनाते है । नेपाल में सम्राट विक्रमादित्य द्वारा चलाये गये विक्रम संवतका प्रचलन होता है । यहाँ हम कुछ प्रमुख पर्वोत्सवका नाम ही दे पायेंगे :–

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

नव वर्ष:– नव वर्ष अप्रैल के दूसरे सप्ताह में पड़ता है । इस दिन देश भर में छुट्टी होती है । लोग इसे बडे शानदार ढंग से मनाते हैं । भक्तपुर में इस दिन बड़ी धूमधाम से बिस्केट जात्रा (झंडा यात्रा) निकाली जाती है ।

वैशाख पूर्णिमा:– नेपाल भगवान बुद्ध का जन्मस्थल है । भगवान बुद्ध 'एशिया का प्रकाश' हैं । गौतम बुद्ध की जन्म–जयन्ती प्रत्येक वर्ष वैशाख पूर्णिमा के अवसर पर अनेक आकर्षक कार्यक्रमों के साथ मनायी जाती है । लोग वडी श्रद्धा से इस उत्सव को मनाते है । स्वयंभू और लुम्बिनी में भगवान् गौतम बुद्ध की विशेष पूजा की जाती है ।

लाल मच्छेन्द्रनाथ को रथ यात्रा:- पाटन में मनाये जानेवाले उत्सवों में यह एक शानदार उत्सव है । ज्योतिषियों के परामर्श अनुसार मनाया जानेवाला यह पर्व प्रायः अप्रैल से शुरू होता है और जून तक भी चल सकता है । इसी प्रकार, श्वेत मच्छेन्द्रनाथ का रथ–उत्सव काठमाण्डू नगर में मार्च-अप्रैल में मनाया जाता है और चार दिनों तक इसे लोग मनाते हैं। यहाँ यह स्मरण करना अप्रासंगिक न होगा कि गुरु गोरखनाथ नेपाल के संरक्षक महासंत हैं और उन के गुरु मछेन्द्रनाथ को कामाक्षा से नेपाल लाने के अवसर के स्मरण स्वरूप यह रथ यात्रा होती है ।

नेपाल– नरेश श्री ५ वीरेन्द्र का जन्मदिन:– महाराजाधिराज श्री ५ वीरेन्द्र वीर विक्रम शाह देव के जन्मदिन का समारोह सम्पूर्ण अधिराज्य में यह समारोह बडे उत्साह के साथ मनाया जाता है । यह २८ दिसम्बर को पड़ता है । इस दिन काठमाण्डू टुंडिखेल में

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

विशाल परेड होती है जिसमें श्री ५ वीरेन्द्र स्वयं पधारते हैं और अपने प्यारे नागरिकों की वधाई स्वीकारते हैं।

गाईजात्रा:– भाद्र कृष्ण प्रतिपदा के दिन पडता है । नाच गान और हंसी मजाक, व्यंग–परिहांस इस उत्सव की प्रमुख विशेषताएं हैं । इस पर्व की उत्पत्ति गत वर्ष दिवंगत अपन प्रिय जनों की स्मृति करने के रूप में हुई थी । राजा प्रताप मल्ल ने पुत्र शोकाकुल अपनी कनिष्ठ महिषी के समझाने के लिये कि तुम्हारा पुत्र ही नहीं राज्य भर मे यह लोगों के प्रिय जन दिवंगत हुए हैं इस दिन अपने अपने घर से गाय लेकर राज प्रासाद में आने का आदेश दिया था । गाय लेकर अब भी लोग शहर घूमते हैं और शोकाकुल प्रत्येक घर का कुमार लडका जोगी के भेष में शहर घूमते हैं और लोग उसे भिक्षा देते हैं पर अब यह पर्व हास–परिहास और व्यंग–मजाक के उत्सव का रूप ले चुका है । भक्तपुर की गाइजात्रा काठमाण्डू की गाई जात्रा से ज्यादा मनोरजंक है । पाटन की दीपक जात्रा (मतेया) इस के अगले दिन होती है ।

इन्द्रजात्रा:– वर्षा के देवता इन्द्र का उत्सव काठमाण्डू नगर में बहुत जोश और जलसे के साथ मनाया जाता है । यह अगष्त–सितम्बर मे मनाया जाता है और आठ दिनों तक चलता है । कुमारी (जीवित देवी) का रथ काठमाण्डू की गलियों मे इन आठ दिनों के अन्दर तीन बार निकलता है । कुमारी को सुसज्जित रथ पर बिठाकर भक्तजन इस रथ को खीचते हैं। यह सम्पूर्ण समारोह काठमाण्डू के आवासीय क्षेत्र और पारंपरिक बाजार तक सीमित रहता है विशेषतः दरबार चोक और हनुमान ढोका मे विभिन्न

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

गाई जात्रा पर्व की झाँकी

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

देवी देवताओं और राक्षसों के मुखौटे पहने हुए नृत्यकारों के नृत्य और ढोलकों की आवाज से प्रत्येक गली गूंजती है ।

दशहरा या दुर्गापूजा :–सारे नेपालियों का सब से प्रमुख पर्व दूर्गापूजा का पर्व है । यह आश्विन शुक्ल पक्ष में पडता है ।

तिहार:– तिहार के अवसर पर ५ दिनों तक क्रमशः कौवे, कुत्ते, लक्ष्मी, गोवर्धन तथा भाइ की पूजा की जाती हैं तथा नेपाल में इसे यम पंचक भी कहते हैं। लक्ष्मी पूजा के दिन लोग अपने घरों को विशेष रूपसे सजा कर दिवाली मनाते हैं । कार्तिक कृष्ण प्रतिपदा अर्थात् गोवर्धन पूजा के दिन से काठमाण्डू उपत्यका के नेवारों का नव वर्ष प्रारंभ होता है और वे इस दिन म्ह पूजा (शरीर पूजा) भी करते हैं ।

मकर संक्रान्ति:– मकर राशि में सूर्य के प्रवेश के साथ साथ महीने में शुरू होने वाला यह त्यौहार पूरे अधिराज्य में बडे धूमधाम से मनाया जाता है तथा तीर्थ स्थलों पर मेले भी लगते हैं ।

शिवरात्रि:–शिवरात्रि फाल्गुन शुक्ल त्रयोदशी के दिन मनायी जाती है । पशुपतिनाथ के मंदिर में एक बडा धार्मिक उत्सव होता है और नेपाल तथा भारत से हजारों तीर्थयात्री इस अवसर पर भगवान् पशुपति के दर्शनार्थ पधारते हैं ।

दुम्जी:–जुलाई के महीने में, शेर्पा जाति यह पर्व बडी धूमधाम से मनाती हैं । इस पर्व के अवसर पर सभी शेर्पा गांवों और खुम्बु और हेलम्बु क्षेत्रों के लोग अपने पारंपरिक नृत्यों का प्रदर्शन करते हैं ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

लोशर:– शेर्पा और हिमालय प्रदेश की अन्य बुद्ध धर्मावलम्बी जातियाँ इस पर्व को मार्च के महीने में नव वर्ष के रूप में अपने लोक नृत्यों और लोकगीतों की आयोजना के साथ बडी धूमधाम से मनाते हैं ।

घोडे जात्रा:– यह त्यौहार घोडों के त्यौहार के रूप में मनाया जाता हें । काठमाण्डू नगर का यह एक सांस्कृतिक त्यौहार है । इस अवसर पर टुँडीखेल में घोडों की दौड के साथ–साथ अन्य खेलकूदों का भी आयोजन किया जाता है । नगर के अन्य भागों में अनेक देवी–देवताओं के बिना पहियों के रथों को कन्धो पर उठाकर जातीय वाजों को बजाते हुए जुलूस निकाले जाते है ।

त्रिभुवन जयन्ती:–१८ फरवरी के दिन सम्पूर्ण अधिराज्य में स्व. श्री ५ महाराजाधिराज त्रिभुवन की जन्म–जयन्ती राष्ट्रिय प्रजातन्त्र के रूप में मनायी जाती है ।

महेन्द्र जयन्ती और संविधान दिवस:– १५ दिसम्बर के दिन बडी धूमधाम से मनाया जाता है। सन् १९६० में इसी दिन स्व. श्री ५ महाराजाधिराज महेन्द्र ने संसदीय प्रणाली के स्थान पर दलविहीन पंचायती प्रजातन्त्र का सूत्रपात किया था । यह दिवस, विशाल जुलूस और दीपावली की आयोजना के साथ मनाया जाता है

कृष्णाष्टमी:– भाद्र कृष्णाष्टमी के दिन यह पर्व देश भर में बडी धूमधाम से मनाया जाता है । इस दिन पर चाँगुनारायण और पाटन के कृष्ण मंदिरों के दर्शनार्थियों की भीड लगती है। भक्तजन रात भर भजन–कीर्तन करते हैं ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

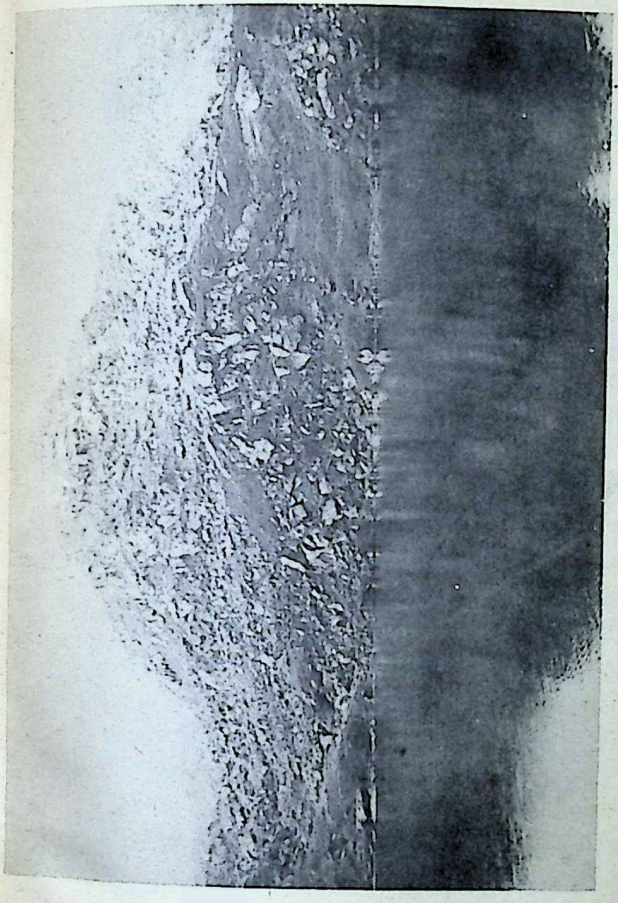

गोसांइकुण्ड का एक मनोरम दृश्य

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मच्छेन्द्रजात्रा:– काठमाण्डू के केल टोल में श्वेत मच्छेन्द्र नाथ के सम्मान में यह उत्सव मनाया जाता हें । कई दिनों तक काठमाण्डू की गलियों में एक ऊँचे रथ पर मच्छेन्द्र नाथ की प्रतिमा को रखकर घुमाया जाता है ।

पृथ्वी जयन्ती:– (विक्रमी पौष २७) आधुनिक नेपाल के निर्माता वडा महाराजाधिराज श्री ५ पृथ्वी नारायण शाह की जन्म जयन्ती के दिन सिंह दरवार के आगे उन की प्रतिमा के सामने एक विशेष समारोह होता है और इस युग पुरुष को श्रद्धान्जलि दी जाती है और उन के योगदान का स्मरण किया जाता है । इस दिन देश भर छुट्टी मनाई जाती है ।

विवाह पंचमी:– प्रत्येक वर्ष अगहन के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि के सुखद अवसर पर यह पर्व आयोजित किया जाता है । राम और सीता दाम्पत्य सूत्र के पवित्र बंधन में इसी पावन तिथि के शुभ अवसर पर बँधे थे । अतः उन के पावन विवाहोत्सव के रूप में यह पर्व जनकपुर में धूमधाम के साथ मनाया जाता है । राम मंदिर और जानकी मंदिर दोनो के प्रांगण में विवाह के अनेक रस्म मनाये जाते हैं । राम मंदिर से सजधज कर बारात निकलती है और रंगभूमि के प्रांगण में पहुँचती है जिसमें अयोध्या नगर के प्रतिष्ठित निवासी, विद्वान्, साधु और संत शामिल रहते हैं । रंगभूमि में बारातियो का हार्दिक स्वागत होता है । दूल्हा सरकार (राम की सजीव प्रतिमा) का दर्शन कर दर्शक अत्यंत आनन्दित होते हैं । जनकपुर में विवाह पंचमी का अपना ही वैभव और आकर्षण है । इस अवसर पर वहुत वडा मेला लगाता है । सरकार की ओर से

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

अच्छे प्रबन्ध किये जाते हैं । सभी भक्तजन "पुनि देखब रघुवीर विवाहू" की साथ लेकर अपने अपने घर लौट जाते हैं ।

ट्रेकिङ्ग (पैदल परिभ्रमण) :– देश के प्रायः सभी पहाडी क्षेत्र पैदल–यात्रियों के लिए स्वर्ग हैं । सब से सुन्दर और उपयक्त समय पैदल यात्रा क लिए जनवरी से अप्रैल और अक्टूबर से नवम्बर माना गया है । पैदल–यात्रा के लिए निम्नलिखित स्थान बहुत ही मनोरम और आकर्षक हैं:–

स्थान	दूरी	पहुँचने में लगते वाले लगभग दिन
काठमाण्डू से नाम्चे बाजार	१५० किलोमीटर	१५ दिन
पोखरा से अन्नपूर्ण	२५ "	३ दिन
पोखरा से जोमसोम	६८ "	६ दिन
काठमाण्डू से गोसाईकुण्ड	४२ "	४ दिन
काठमाण्डू से हेलम्बू	४५ "	४ दिन
काठमाण्डू से डुम्रे बस से और डुम्रे से मनांग	६० "	८ दिन

काठमाण्डू उपत्यका के अन्दर और बाहर पैदल यात्रा के लिए अनेक सुन्दर स्थान हैं । इनमें रारा दह भी एक है । यहाँ से कांजिरोवा हिमालय का नयनाभिराम दृश्य देखा जा सकता है । घान्द्रुक–समुद्र की सतह से ६,००० (फीट का उचाई पर स्थित घान्द्रुक से अन्नपूर्ण पर्वत श्रेणियों का चिताकर्षक दृश्य देखा जा सकता है अतः पदयात्री यहीं भी पदयात्रा के दौरान में पहुचते हैं ।

श्री ५ को सरकार, पर्यटन मन्त्रालय से पर्वतारोहण के लिए अनुमति ली जा सकती है । पैदल यात्री पदयात्रा के लिए केन्द्रीय अध्यागमन

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

कार्यालय, मैतीदेवी, काठमाण्डू (टेलिफोन नं.२१२३३६) से अनुमति ले सकते हैं।

अन्य आवश्यक सूचनाएँ

रेष्टुराँः– काठमाण्डू के विभिन्न रेष्टुराँओं में उच्च कोटिका यूरोपिय, भारतीय, चाइनीज और नेपाली भोजन मिलता है। और आप अपनी इच्छा के अनुसारका भोजन सरलता से प्राप्त कर सकते हैं। निम्न आयवर्ग के लोगों के लिए स्थानीय भोजनालयों में अपेक्षाकृत कम दामों में अच्छा भोजन मिलता है। स्कच व्हिस्की और अन्य विदेशी मदिराएं तथा उच्चकोटि के होटलों और रेष्टुरांओं में प्रशोधित और सुपाच्य पीने का पानी मिलता है।

पर्यटक सूचना केन्द्रः–

१. पर्यटक सूचना केन्द्र, श्री ५ को सरकार, गंगापथ (वसन्तपुर) काठमाण्डू, नेपाल टेलिफोन२१५८१८
२. पर्यटन सूचना केन्द्र, त्रिभुवन विमान स्थल (काठमाण्डू) विमान स्थल, टेलिफोन नं.२१५५३७
३. पर्यटक सूचना केन्द्र, वीरगंज।
४. पर्यटक सूचना केन्द्र, पोखरा विमान स्थल टेलिफोन नं. २८
५. पर्यटक सूचना केन्द्र, भैरहवा।
६. पर्यटक सूचना केन्द्र, काकड भित्ता
७. पर्यटक सूचना केन्द्र, जनकपुर।

समयः– नेपालका समय भारत के स्टेन्डर्ड समय से दस मिनेट आगे है और ग्रीनविच मीन टाइम से पाँच घण्टे चालीस मिनट आगे।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

मान्यता प्राप्त पथ–प्रदर्शक:– पर्यटकों की सुविधा के लिए काठमाण्डू की सभी ट्राभेल एजेन्सियों के पास ऐसे पथ–प्रदर्शक हैं। अपने ग्राहकों की आवश्यकता और सुविधा के अनुसार ये एजेन्सियाँ दृश्यावलोकन के कार्यक्रमों का प्रबन्ध करती हैं।

खरीददारी:– दूकानें नौ बजे से सायं आठ बजे तक खुलती है। शनिवारको प्राय:– सभी दुकानें बन्द रहती हैं लेकिन छोटी छोटी दूकानें जो दैनिक उपभोग की वस्तुएं बेचती हैं, खुली रहती हैं। दूकानों में हस्तकला और शिल्पकला की वस्तुएं और उच्चस्तरकी वस्तुएं भी मिलती हैं। अपनी यात्रा के यादगारों की खरीद के लिए पर्यटकों को घरेलु उद्योग विक्री भंडार, न्यूरोड और पाटन औद्योगिक क्षेत्र, पाटन में जाना चाहिए। ये दोनों सरकार द्वारा संचालित संस्थाएं हैं। इन स्थानों पर आप एक दाम पर उच्च स्तर की वस्तुएं पा सकते हैं।

बिजली करेन्ट:– अधिराज्य के अनेक शहरों में विद्युतीकरण हो चुका हैं और यहाँ २२० भोल्ट ए.सी. है।

अस्पताल और औषधालय:– काठमाण्डू में आधुनिक उपकरणों से सज्जित स्तरीय अस्पताल हैं। काठमाण्डू उपत्यका के बाहर भी प्रत्येक अंचल के सदर मुकामों में अस्पताल और जगह जगह स्वास्थ्य चौकियां हैं। काठमाण्डू के सभी दवाखाने और औषधालय विदेशों से आयात की गई सभी तरह की दवाएँ बेचते हैं। काठमाण्डू घाटी के अस्पताल:–

१. वीर अस्पताल, काठमाण्डू, टेलिफोन नं. ११११९
२. कान्ति अस्पताल, महाराजगंज, ,, ,, ११५५०

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

३. यूनाइटेड मिशन अस्पताल, शान्तभवन, टेलिफोन नं. २१०३४
४. पाटन अस्पताल, लगनखेल, टेलिफोन नं. २१३३३
५. भक्तपुर अस्पताल, भक्तपुर।
६. इन्द्र राज्य लक्ष्मी प्रसूति गृह अस्पताल, थापाथली, काठमाण्डू टेलिफोन नं. ११२४३

प्रहरी कार्यालय:– प्रमुख नगर प्रहरी कार्यालय हनुमान ढोका में स्थित है। काठमाण्डू उपत्यका के बाहर अंचल और जिला प्रहरी कार्यालय हैं और प्रमुख बाजारों और बस्तियों में थाने हैं।

नेपाल मोटर कार संघ:– यातायात प्रहरी कार्यालय राम शाहपथ काठमाण्डू निजी वाहनों में घूमने आए हुए पर्यटकों की सुविधा और सहायता के लिए बराबर तत्पर रहता है।

सरकारी छुट्टियां:– शनिवार नेपाल में छुट्टी का दिन है। अगहन, पौष और माघ इन तीन महीनों सरकारी दफ्तर दश बजे से चार बजे तक खुलते हैं और बाँकी नौ महीनों में दश बजे से पाँच बजे तक। विक्रमी संवत् के अनुसार कार्य होता है और अन्तर्राष्ट्रिय सम्पर्क के लिए ईस्वी सन् का प्रचलन होता हैं।

समाचार–पत्र पत्रिकाएँ:– नेपाली और अंग्रेजी में दर्जनों समाचार–पत्र पत्रिकाएं प्रकाशित होती हैं। काठमाण्डू में अधिकांश समाचार–पत्र सुबह प्रकाशित होते हैं। इन दैनिक और साप्ताहिक पत्रिकाओं में राजनीति, संस्कृति और साहित्य आदि अनेक विषयें पर सामाग्रियाँ होती हैं। हिन्दी में भी एक दैनिक "नेपाली" निकलता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

पुस्तक भण्डार:– काठमाण्डू की बहुत सी किताब की दुकानों में विभिन्न विषयों की किताबें मिलती हैं । नेपाली जीवन के विभिन्न पहलुओं पर लिखी किताबें भी उपलब्ध हैं । इन दूकानों में, अनेक पदयात्रा मार्गों (ट्रेकिंग रूट्स्) का और शहर का नक्सा भी मिलता है ।

मनोरंजन:– काठमाण्डू शहर में मनोरंजन के अनेक साधन उपलब्ध हैं जिनमें नाटकों का प्रदर्शन, विभिन्न सांस्कृतिक और शास्त्रीय सङ्गीत के कार्यक्रम भी शामिल हैं।

सभी सिनेमा घरों में भारतीय और पश्चिमी चलचित्र दिखलाए जाते हैं । पर्यटकों की अभिरुचि को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रिय नाचघर नाटकों और लोकगीतों का कार्यक्रम प्रस्तुत करता रहता है।

नेपाल नरेश श्री ५ महाराजाधिराज वीरेन्द्र कला के क्षेत्र में विशेष अभिरुचि रखते हैं । वे स्वयं एक प्रसिद्ध चित्रकार हैं। अतः संप्रति कला के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है । नेपाल ललित कला संस्था (नाफा), सीता भवन, नक्साल दरबार सभी प्रकार की कला–प्रदर्शनियाँ आयोजित करता रहता है । इस का अपना एक कला–भवन भी है जहाँ कला प्रदर्शनियाँ आयोजित होती रहती हैं और कला पारखियों की जिज्ञासा को पूरी करती हैं । प्रदर्शित कला–कृतियाँ प्रायः आधुनिक और परंपरागत कला–स्कूलों से सम्बन्धित होती हैं । नाफा के अतिरिक्त अन्य स्वतंत्र कला कक्ष हैं जहाँ सभी किस्म के चित्रों की प्रदर्शनी और बिक्री होती है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

रंगमंच:– राष्ट्रिय नाच घर कान्तिपथ, रानीपोखरी, काठमाण्डू टेलिफोन नं. ११०६० । राजकीय प्रज्ञा प्रतिष्ठान, कमलादी, काठमाण्डू, टेलिफोन नं. ११२८३

नेपाल भारत सांस्कृतिक केन्द्र, कान्तिपथ यहाँ एक विशाल पुस्तकालय और वाचनालय हैं । समय समय पर इस केन्द्र में सांस्कृतिक कार्यक्रमोंका आयोजना भी किया जाता हैं ।

सांस्कृतिक केन्द्र:– यहाँ लोक और शास्त्रीय नाच प्रत्येक शाम प्रदर्शित होते रहते हैं ।

१. चिमाल, होटल मनासलु, लाजिम्पाट ।
२. एभरेष्ट कल्चरल सेन्टर (एभरेष्ट सांस्कृतिक केन्द्र) लालदरवार
३. लालुपाते, होटल शंकर

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri

श्री ५ को सरकार
पर्यटन मन्त्रालय
पर्यटन विभागद्वारा प्रकाशित १९८४

जनक शिक्षा सामग्री केन्द्र लिमिटेड
(एजुकेशन प्रेसमा) मुद्रित

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu